

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ
मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

कीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY 75 108 57 108

डॉ. सनी सतीश
जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी
जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

हेड इंजरी, कोमा, सरद, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, न्यूरो रिविब, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, चार्डिट रिविसेमेंट, आईसीयू माइक्रोवर ओटी, यूरो सर्जरी, वेस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग वन..

न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सनी सतीश
न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सौ. पूनम सनी
न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सनी सतीश
न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सौ. पूनम सनी

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 14 सितम्बर 2026 दिन - सोमवार वर्ष-14 वां पृष्ठ - 12 अंक - 228 मूल्य - 5 रुपये

7 Years
IN HEALTH, HOPE & HEALING

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं
एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

अनुमोदन भारत योजना (PMJAY) एवं MAJAY
के अंतर्गत निःशुल्क एंजियोग्राफी की सुविधा उपलब्ध

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट ● वारासिवनी ● कटंगी ● बैहर् ● लांजी ● परसवाड़ा ● सिवनी ● बरघाट ● छपारा ● केवलारी ● गोंदिया - भंडारा ● आमगांव ● गोरेगांव ● सालेकसा ● देवरी ● तिरोड़ा



ड्रीम्स होंडा महोत्सव



बालाघाट वालों की पहली पसंद
इंडिया का नंबर 1 स्कूटर

Scooter बोले तो
ACTIVA
110CC & 125CC



शगुन का *
1 रुपये का
सिक्का देकर
ले जा सकते हैं
अपनी एक्टिवा

इंस्टेंट कैशबैक
10000/-*

न्यूनतम ब्याज दर
6.99%*

लोन
100%* तक

3+7*
10 साल की
वारंटी उपलब्ध

ड्रीम्स होंडा गोंदिया रोड, बालाघाट **8349272776, 9109942776**

बैहर् 8269793376	कटंगी 8109182276	वारासिवनी 9893552276	लालबर्ग 8085112276	किरनापुर 8085882276	लांजी 9301750675	बिरसा 9669526297	चांगोटोला 8959143504	खैरलांजी 8962992776
---------------------	---------------------	-------------------------	-----------------------	------------------------	---------------------	---------------------	-------------------------	------------------------

विज्ञापन आमंत्रित है..

मो. हासिब खान

जिला सिवनी

संपर्क - मो. 7898530101

+CMVK

3

सोमवार 14 अगस्त 2026

जग प्रेरणा

live

जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर दो ट्रकों की भिड़ंत, एक चालक घायल..

जगप्रेरणा सिवनी।
जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में रविवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर दो ट्रकों की भिड़ंत हो गई। हादसा बम्होडी गांव के पास हुआ। दोनों ट्रक एक ही दिशा में जा रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक चालक ने आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की, तभी दोनों वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक चालक अजय मानेश्वर (43) घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसे की सूचना मिलते ही लखनादौन थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की।



कुछ देर प्रभावित रहा यातायात..

टक्कर के बाद दोनों ट्रक सड़क पर खराब होकर खड़े हो गए। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही और

सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को सामान्य कराया और खराब वाहनों को सड़क से हटाने की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस कर रही हादसे की जांच

प्रारंभिक जांच में ओवरटेक के दौरान दोनों वाहनों के बीच पर्याप्त दूरी नहीं रहने की बात सामने आ रही है। हालांकि, दुर्घटना की वास्तविक वजह पुलिस की पूरी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। लखनादौन पुलिस मामले की जांच कर रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के बीच ओवरटेक करते समय वाहन चालकों से सावधानी बरतने की अपील की जाती रही है। तेज रफ्तार में ओवरटेक करने के दौरान वाहनों के बीच दूरी नहीं रखने से गंभीर हादसे का खतरा बना रहता है।

दर्दनाक सड़क हादसा: अज्ञात वाहन की टक्कर से दो की मौके पर मौत, नातिन गंभीर रूप से घायल

जगप्रेरणा छपारा।
ग्राम पंचायत पीपरढाना में एक बड़ी दुखद घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पीपरढाना निवासी



अरेवा अपनी नातिन संतोषी अरेवा को सिवनी हॉस्टल से छुड़ी करवाकर वापस अपने घर लौट रहे थे। तभी करीब 11:30 बजे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही संतोषी अरेवा के

आजा मेखू अरेवा एवं उनके साथी बैसाकू अरेवा की तत्काल मृत्यु हो गई। वहीं नातिन संतोषी अरेवा इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बच्ची को तत्काल सरकारी अस्पताल सिवनी में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी थाना छपारा पुलिस को मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों मृतकों के शव का पंचनामा बना कर पोस्टमार्टम उपरांत परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ब्लॉक छपारा की नवीन कार्यकारिणी गठित..



मोहम्मद तौफीक खान बने अध्यक्ष..

जगप्रेरणा छपारा।
प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन (PSA) ब्लॉक छपारा की बैठक में संगठन की नवीन कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक में ब्लॉक के अशासकीय विद्यालयों के संचालकों एवं संगठन के सदस्यों की उपस्थिति रही। सदस्यों ने आपसी सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों की जिम्मेदारियां सौंपीं। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में मोहम्मद तौफीक खान को अध्यक्ष, राजेश शिवहरे को कार्यकारी अध्यक्ष, श्रीमती कल्पना कुशवाहा को उपाध्यक्ष, प्रशांत ठाकुर को सचिव, कमलेश पटेल को सह-सचिव, शुभम सोनी को कोषाध्यक्ष तथा श्याम सुन्दर चौकसे को सह-

कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं संगठन की गतिविधियों एवं सूचनाओं के प्रसार के लिए मीडिया प्रभारी के रूप में शुभम सोनी, मोहम्मद तौफीक खान एवं प्रशांत ठाकुर को जिम्मेदारी दी गई। कार्यकारिणी के मार्गदर्शन के लिए संरक्षक मंडल में संजय मसीह, प्रदीप कुमार, दिनेश अग्रवाल एवं श्रीमती मनीषा भार्गव को शामिल किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य छपारा विकासखंड के सभी अशासकीय विद्यालयों को एक मंच पर साथ लेकर विद्यालय संचालकों की समस्याओं के समाधान, विद्यालयों के हितों की रक्षा, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा शिक्षकों एवं विद्यालयों के विकास के लिए सामूहिक रूप से कार्य करना है।

सिवनी में आपदा मित्रो का 7 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ..

जगप्रेरणा सिवनी।
मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग भोपाल के निर्देशानुसार आपात स्थिति में आपदा के खतरों को



कम करने के उद्देश्य से जिले में आपदा प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण कर अधिकाधिक प्रशिक्षित बचाव दल (आपदा मित्रो) को नामांकित कर आपदा बचाव प्रशिक्षण का लक्ष्य दिया गया है। इसी परिपेक्ष्य में दिनांक 12 सितंबर 2026 को सिवनी क्षेत्र हेतु चयनित 150 आपदा मित्रों का सिवनी जलपद पंचायत सभागृह में 07 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ डिस्ट्रिक्ट कमान्डेंट होमगाई, (जिला सेनानी) श्री एस आर आजमी की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। डिस्ट्रिक्ट कमान्डेंट होमगाई श्री एस आर आजमी द्वारा आपदा मित्र प्रशिक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि -आपदा मित्र- आपदा बचाव कार्य के लिए प्रथम रिस्पोंडर का कार्य करते हुए गोल्डन

अवर में विकिटम को उचित सहायता पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने आपदा मित्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन देना ईश्वर के हाथ में होता है, और आप इस प्रशिक्षण को प्राप्त कर सहयोगी के रूप में अपना स्टेटस बदल सकते हैं। आपदा मित्रो के सेवा भाव की सराहना करते हुए उन्हें समाज का सच्चा रक्षक बताया। प्रशिक्षण सत्र के प्रथम दिवस प्रशिक्षण प्रभारी धनेन्द्र अंगारे एवं होमगाई टीम द्वारा सभी आपदा मित्रों को आपदा प्रबंधन नियम, भूकंप के पूर्व, दौरान एवं बाद की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र के पूर्व सभी प्रशिक्षणार्थियों को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से प्राप्त पाठ्य सामग्री को वितरण किया गया।

सिवनी में जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद 7898530101

आर्ट ऑफ लिविंग का 4 दिवसीय ‘हैप्पीनेस प्रोग्राम’ 27 सितंबर से

जगप्रेरणा सिवनी।

द आर्ट ऑफलिविंग द्वारा 27 से 30 सितंबर 2026 तक चार दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः 6:30 बजे से 9:00 बजे तक होटल द गैंड रजवाड़ा, जबलपुर रोड, सिवनी में आयोजित होगा।

कार्यक्रम में गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी द्वारा प्रदत्त ज्ञान, ध्यान, प्राणायाम तथा विश्वप्रसिद्ध सुदर्शन क्रिया के माध्यम से प्रतिभागियों को तनावमुक्त, प्रसन्न एवं संतुलित जीवन जीने की व्यावहारिक विधियां सिखाई जाएंगी। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में मानसिक शांति, सकारात्मकता, आत्मविश्वास, ऊर्जा एवं एकाग्रता

बढ़ाना तथा तनाव और चिंता को बेहतर ढंग से संभालने की क्षमता विकसित करना है। इसके साथ ही बेहतर स्वास्थ्य, संबंधों में मधुरता और जीवन में संतुलन के लिए भी उपयोगी सत्र होंगे। यह कार्यक्रम 18 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के प्रतिभागियों के लिए है।

इच्छुक व्यक्ति ऑनलाइन पंजीयन aolt.in/1055067 के माध्यम से कर सकते हैं। अधिक जानकारी एवं पंजीकरण के लिए 7000386614 एवं 9309707393 पर संपर्क किया जा सकता है। द आर्ट ऑफलिविंग, सिवनी ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होकर लाभ लेने की अपील की है।

04 कार्यवाहक निरीक्षक/उप निरीक्षकों को मिली पदोन्नति



एसपी कृष्ण लालचंदानी ने लगाए स्टार..

जगप्रेरणा सिवनी।
जिले के पुलिस परिवार के लिए आज गौरव का दिन रहा। पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार 04 कार्यवाहक निरीक्षक/उप निरीक्षकों को निरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय सिवनी में आयोजित समारोह में पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) व

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा ने अपने शुभ कर कमेंलों से सभी पदोन्नत अधिकारियों को कंधे पर स्टार लगाकर बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पदोन्नत होने वाले अधिकारी..

कार्यवाहक निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे, उपनिरीक्षक श्रीमती अकिता जैन, उपनिरीक्षक श्रीमती रजनी नागभिडे, उपनिरीक्षक श्रीमती श्रोति शर्मा।

इस अवसर पर उपस्थित जिले के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण ने भी पदोन्नत अधिकारियों को शुभकामनाएं बंधाई दी।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी

डॉ. आमिर अंसारी

MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISC

हॉस्पिटल

विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध

पता- बड़ी उचारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वाई सिवनी

मो.- 8817448039

डॉ. समरीन आमिर अंसारी

MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS

मिलने का समय सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक

14 से 25 सितंबर तक प्रतिदिन पूजन, आरती, भजन-कीर्तन और लड्डुओं का महाभोग..

25 सितंबर को हवन-पूजन व महाप्रसाद के साथ होगा समापन

जगप्रेरणा सिवनी।

नगर के शंकराचार्य चौक स्थित श्री गणेश मंदिर में पूर्व वर्षों की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी भगवान श्री गणेशजी का प्रकटोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। मंदिर समिति द्वारा 14 से 25 सितंबर 2026 तक 12 दिवसीय धार्मिक आयोजन की तैयारियां की गई हैं। इस दौरान प्रतिदिन भगवान श्री गणेशजी का भव्य श्रृंगार, पूजन-अर्चन, आरती, सहस्रनाम पाठ, भजन-कीर्तन तथा लड्डुओं का महाभोग लगाया जाएगा।

प्रथम दिवस लगेगा 11 से 111 किलो तक लड्डुओं का महाभोग

प्रकटोत्सव के प्रथम दिवस भगवान श्री गणेशजी को श्रद्धालुओं द्वारा 11 किलो से लेकर 111 किलो तक लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा। इसमें 11, 22, 33, 44, 55, 66, 77, 88, 99, 101 एवं 111 किलो लड्डुओं का भोग शामिल रहेगा। महाभोग के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन के दौरान प्रतिदिन भगवान श्री गणेशजी को लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा।

मंदिर समिति के अनुसार प्रकटोत्सव के अवसर पर भगवान श्री गणेशजी को सेंट के लड्डुओं का भोग लगाने का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धानुसार कम से कम पांच सेंट के लड्डु अर्पित कर सकते हैं। लड्डुओं की संख्या सवाया होना शुभ माना जाता है।

प्रतिदिन होंगे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम..

प्रकटोत्सव के दौरान 14 से 25 सितंबर तक प्रतिदिन प्रातः 8 से 9 बजे तक भगवान श्री गणेशजी का श्रृंगार, पूजन, आरती एवं सहस्रनाम पाठ होगा। वहीं दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक महिला मंडल द्वारा भजन-कीर्तन किया जाएगा। प्रतिदिन रात्रि 8.30 बजे आरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन होगा।

तक हवन-पूजन एवं दीपदान का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात शाम 6 से रात 8 बजे तक महाप्रसाद वितरण होगा। इसी के साथ 12 दिवसीय प्रकटोत्सव का विधिवत समापन किया जाएगा।

श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होने की अपील..

श्री गणेश मंदिर समिति ने नगर एवं आसपास के श्रद्धालुओं से प्रकटोत्सव के सभी धार्मिक आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान श्री गणेशजी का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा आयोजन में सहयोग कर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है। भगवान श्री गणेशजी के भव्य श्रृंगार एवं पूजन-अर्चन के लिए श्रद्धालु मंदिर के पुजारी पं. हरिकुमार तिवारी से संपर्क कर सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इको क्लब का नवाचार..

छात्राओं ने बिखेरा माटी कला का जादू, बनाई माटी के सिद्ध गणेश की सुंदर मूर्तियाँ..

जगप्रेरणा सिवनी।

पर्यावरण संरक्षण एवं विद्यार्थियों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेन्स (शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय) के इकोक्लब के माध्यम से ‘माटी के गणेश-सिद्ध गणेश’ मूर्ति निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रकृति और पर्यावरण के साथ धार्मिक आस्था के महत्व के जाना-समझा।

मीडिया प्रभारी प्रोफेसर सत्येन्द्र शेन्डे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के साथ हमारी धार्मिक- सांस्कृतिक आस्थाओं के समन्वय के नवाचार के रूप में कॉलेज के प्राणी विज्ञान विभाग में माटी के सिद्ध गणेश मूर्ति निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से युवा छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण और भारतीय संस्कृति से जुड़ने की प्रेरणा मिली। इकोक्लब प्रभारी डॉ. दिनेश चित्रिव तथा सह प्रभारी डॉ. संदीप शुक्ला क्षे ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं के निर्माण के लिए प्रेरित करना

तथा पर्यावरण-अनुकूल गणेश उत्सव के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाएं जल में आसानी से विसर्जित होकर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करती हैं। प्रभारी प्राचार्य डॉ. सविता मसीह ने कहा कि इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को माटी कला के प्रति प्रेरित करने का संदेश मिल रहा है।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों से प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों में प्रथम स्थान नीतू सनोडिया द्वितीय कीर्ति मालवीय और तृतीय स्थान सृष्टि सोनी ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका प्रो. रचना सक्सेना एवं डॉ. शरति अवस्थी ने निभाई।

प्रभारी प्राचार्य डॉ. सविता मसीह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. टीपी सागर, डॉ. वर्षा जैन, डॉ. संदीप शुक्ला, डॉ. मनीषा सोनेकर, डॉ. धनेन्द्र गुर्देकर एवं सोनू मसराम, राधेश्याम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ग्लोबल लॉ कॉलेज में हुआ फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन..

जगप्रेरणा सिवनी।

बीते दिनों

ग्लोबल लॉ कॉलेज में शैक्षणिक ईयर 2026 27 के नवीन BALLB (Honrs) & LL.B के छात्रों के लिए प्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया

यह पार्टी महाविद्यालय के संचालक के मार्गदर्शन में समस्त स्टाफ सदस्यों एवं वरिष्ठ छात्रों के योगदान द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित की गई पार्टी की शुरुआत महाविद्यालय के संचालक एवं **HoD** को सीनियर छात्रों द्वारा पुष्प कुछ देकर की गई इसके उपरांत सभी सदस्यों का पुष्प देकर स्वागत किया गया इसके उपरांत नवीन प्रवेशीत छात्रों का सीनियर विद्यार्थियों द्वारा पुष्प देकर स्वागत किया गया है फ्रेशर पार्टी में नवीन छात्रों ने अपना परिचय एवं शिक्षा संबंधी जानकारी महाविद्यालय के समक्ष रखा कार्यक्रम में मंच संचालन स्नेहल चेचे एवं मखदूम खान ने किया फ्रेशर पार्टी में छात्रों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी एवं पार्टी में उपस्थित सभी सदस्यों का मन मोह लिया फ्रेशर पार्टी को महाविद्यालय के संचालक डॉक्टर साकिब खान एवं विभाग अध्यक्ष सलीम सिद्दीकी ने संबोधित किया और नवीन छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ शुभकामनाएं दी फ्रेशर पार्टी के अंतिम चरण में

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया साथ ही स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में सहभागिता के लिए प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया एवं महाविद्यालय परंपरा के अनुसार नवीन छात्रों को महाविद्यालय के संचालक महोदय द्वारा प्रमुख बैग उपहार के रूप में देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के पश्चात छात्राओं के लिए उत्तम भोजन की व्यवस्था की गई फ्रेशर पार्टी के आयोजन से महाविद्यालय के जूनियर और सीनियर छात्र बहुत ही ज्यादा उत्साहित थे उन्होंने इसके लिए महाविद्यालय के संचालक महोदय द्वारा प्रमुख तथा सभी शिक्षकों का धन्यवाद प्रेषित किया एवं भविष्य में भी इसी प्रकार के अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने के लिए अपनी इच्छा जाहिर की कार्यक्रम के दौरान समस्त व्यवस्थाएं महाविद्यालय के सीनियर छात्रों जिसमें प्रमुख रूप से अक्षय मेश्राम साहिल बेहल सुरज जोगेला नयन जोगेला स्नेहल चेची मखदूम खान महिमा कुशवाहा भवानी उड्डे, सेलवी विश्वकर्मा आदि छात्रों ने सुव्यवस्थित तरीके से की जिसके लिए महाविद्यालय के समस्त सदस्यों ने उनकी सराहना की।

+CMVK

जग प्रेरणा

लालबर्गा, बैहर, परसवाड़ा

कनकी, बेहरई, खमरिया, जाम, उकवा, मलाजखंड, बिरसा, गढ़ी, लामटा, चांगोटोला..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

ग्रामीण क्षेत्र में घर के समीप दिखाई दिया विशाल अजगर, वन विभाग की टीम ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।
ग्रामीण क्षेत्र में आबादी के समीप एक विशालकाय अजगर दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। अजगर को देखकर ग्रामीणों ने तत्काल आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी तथा वन विभाग के वनरक्षक सचिव पदमें सर्प मित्र को सूचना दी।

सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने बिना किसी देरी के मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की समझाइश दी। टीम द्वारा आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए प्रशिक्षित तरीके से अजगर का रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के दौरान पूरी सावधानी बरती गई, ताकि अजगर को किसी प्रकार की चोट न पहुंचे और ग्रामीण भी सुरक्षित रहें।

वन विभाग की टीम द्वारा सफ़त्तापूर्वक अजगर को पकड़ने के बाद उसका आवश्यक निरीक्षण किया गया। अजगर स्वस्थ पाए जाने



पर उसे आबादी क्षेत्र से दूर उसके अनुकूल प्राकृतिक रहवास वाले सुरक्षित वन क्षेत्र में ले जाकर सकुशल छोड़ दिया गया। अजगर के सुरक्षित रेस्क्यू एवं जंगल में छोड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली तथा वन विभाग की टीम की तत्परता एवं कार्यवाही की सराहना की।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जंगल से लगे होने के कारण कई बार सरीसृप एवं अन्य वन्यजीव भोजन अथवा सुरक्षित स्थान की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं। ऐसी स्थिति में ग्रामीणों को घबराने के बजाय वन विभाग को सूचना देनी चाहिए। वन्यजीव को स्वयं पकड़ने, भगाने या नुकसान पहुंचाने का प्रयास करना खतरनाक हो सकता है।

वन विभाग द्वारा ग्रामीणों से अपील की गई है कि अजगर, सांप अथवा अन्य वन्यजीव दिखाई देने पर उससे पर्याप्त दूरी बनाए रखें और तत्काल वन विभाग को सूचना दें। वन्यजीवों का संरक्षण एवं मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना वन विभाग के साथ-साथ आम नागरिकों की भी सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस दौरान रेस्क्यू टीम द्वारा ग्रामीणों को वन्यजीव संरक्षण, सर्प सुरक्षा एवं मानव-वन्यजीव संघर्ष से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी भी दी गई। वन विभाग द्वारा ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए वन्यजीवों को सुरक्षित उनके प्राकृतिक आवास में पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

तीजा व गणेश उत्सव पर्व को लेकर लालबर्गा थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न..

जगप्रेरणा लालबर्गा।

जिले के लालबर्गा थाना में 12 सितंबर शनिवार को शाम 4:00 बजे थाना प्रभारी लालबर्गा राजमल दायमा की अध्यक्षता एवं तहसीलदार लालबर्गा भूपेंद्र अहिरवार के नेतृत्व में सभी सामाजिक धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी कार्यकर्ता की



साथ एवं बिना नशा का सेवन कर, बिना उपद्रव के शांति पूर्ण ढंग से मनाया जाए।

नशा करके उपद्रव करने वाले असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा उन पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने आबादी भूमि में घर बनाकर निवास करने वाले तहसील क्षेत्र के सभी हितग्राही 17 सितंबर से अपने-अपने

तक के स्थान पर चर्चा कर थाना प्रभारी व धार्मिक आयोजन समिति के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के बीच विचार विमर्श किया गया।

हिंदूवादी संगठन के पदाधिकारियों द्वारा क्षेत्र में लव जिहाद की घटना, गौ तस्करी के मामलों पर प्रशासन को अवगत कराया गया। एक व्यवसायी ने उक्तृष्ट विद्यालय रोड़ में, विश्राम गृह के आगे तक, मजार चौक के आगे तक, पांढरवानी रोड़ में स्कूल के बच्चों की छुट्टी के समय सुख्यवस्थित आवागमन व छात्राओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन को नजर रखने अवगत कराया गया।

थाना प्रभारी राजमल दायमा ने धार्मिक गणेश उत्सव पर्व पर मिलजुल कर आपसी सद्भाव के

संबंधित हल्का पटवारी से मिलकर इस संबंध में अपने कार्य करवायेंगे। जिसमें शासन आपके इस काम की रजिस्ट्री करवायेगी।

अब शांति समिति की बैठकों में सूचना के अभाव में पहले की शांति समिति की बैठकों की अपेक्षा अब कम लोग उपस्थित रह रहे हैं। उक्त बैठक में संजय अग्रवाल, गिरीश पाठक, राहुल शुक्ला, प्रकाश राहंगडाले, संदीप पटेल, दीशु तिवारी, कपिल अवधिया, मोहन गौतम, हेमंत कटरे, व्यंकट राहंगडाले, रूपचंद पंचेश्वर, अरविंद पंचेश्वर, राजेश ठाकरे, अप्सर कुरैशी, पत्रकार विजय रजक, प्रकाश चौहान व अन्य जन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ऋष्णावतारी श्रीरामदेव बाबा का जन्म अन्याय, अत्याचार और बुराईयो को नाश करने और धर्म की स्थापना के लिये हुआ था.. प्रदीप जायसवाल..

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को प्रसिद्ध मंदिर मे अपार भक्तो के बीच दो दिवस तक मनाया गया जन्मोत्सव

जगप्रेरणा वारासिवनी।
नगर के प्रसिद्ध ऋष्णावतारी श्रीरामदेव बाबा मंदिर मे इस साल भी परंपरा के अनुसार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को बाबा को जन्मोत्सव उत्साह से मनाया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल भी विशेष रूप से एक भक्त के रूप मे उपस्थित रहे।



जिन्होंने प्रतिक्रिया मे कहा की बाबा रामदेव ने हमेशा समाज के सभी वर्गों को एक समान मानने का संदेश दिया है। ऋष्णावतारी श्रीरामदेव बाबा मंदिर की टीम से संतोष चैहान ने बताया की इस साल भी जन्मोत्सव कार्यक्रम दो दिवसीय तक मनाया गया है। प्रथम दिवस शनिवार की रात्रि मे भजन संध्या के माध्यम से बाबा की

लीला का गुणगान किया गया। जिसमे गोंदिया महाराष्ट्र से प्रसिद्ध भजन गायक राजू अग्रवाल व दर्पण अग्रवाल की टीम ने देर रात्रि तक एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तो को भावविभोर कर दिया।

इसी तरह दूसरे दिवस रविवार को प्रात समय बाबा के पणलिए का अभिषेक के पश्चात, विशेष पूजन, महाआरती व हवन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे अधिक संख्या मे भक्तो की उपस्थिती ने कार्यक्रम को अपार सफलता प्रदान की। प्रात से शाम तक हजारो भक्तो ने भोजन रूपी महाप्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ भी लिया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रतिक्रिया मे कहा की पिछले कई सालो से भक्तो के उत्साह ने एक छोटे से मंदिर को जहां विशालता प्रदान की है। वहीं मंदिर के कार्यक्रमो मे एक अनोखी दिव्यता और चमक देखी जा रही है। बाबा रामदेव ने सदैव वंचित वर्ग व गरीबो के कल्याण के लिये अपना जीवन समर्पित किया है। उनका अवतार अन्याय, अत्याचार और बुराईयो को नाश करने और धर्म की स्थापना के लिये हुआ था।

सिविल न्यायालय बैहर में नेशनल लोक अदालत में 74 लंबित प्रकरणों में आपसी समझौता तथा प्रीलिटिगेशन के 147 प्रकरणों में 16 लाख 4 हजार 130 रुपये की वसूली..

जगप्रेरणा बैहर।

मध्य प्रदेश राज्य

विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमान प्राणेश कुमार प्राण व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट श्रीमान सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत



दिनांक 12 सितम्बर 2026 शनिवार को सिविल न्यायालय बैहर में श्रीमान कमलेश साहू, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश बैहर के द्वारा नेशनल अदालत का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे न्यायाधीश गण, बार-अध्यक्ष श्री आर.के.चौहान व

सुलहकर्ता सदस्यगण अधिवक्तागण एवं बैंक व नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी एवं न्यायालय के कर्मचारीगण की उपस्थिति में महात्मा गांधी व मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया।

नेशनल लोक अदालत में व्यवहार न्यायालय बैहर में कुल 3 खंडपीठ का गठन किया गया जिसमें खंडपीठ क्रमांक 14 के पीठासीन अधिकारी श्रीमान कमलेश साहू, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश बैहर के न्यायालय की खंडपीठ में नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा

छतिपूर्ति के 32 प्रकरण प्रस्तुत किए गए थे जिसमें से 10 प्रकरण तथा 01 अन्य प्रकरण में आपसी राजीनामा के माध्यम से समझौता हुआ जिसमें 61 लाख 90 हजार रुपये का अवार्ड पारित हुआ।

इसी प्रकार खंडपीठ क्रमांक 15 के पीठासीन अधिकारी श्रीमती शिवानी असाटी व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड बैहर के न्यायालय में आपनधिक 250 प्रकरण प्रस्तुत किए जिसमें से 33 प्रकरणों में एवं एन.आई.एक्ट चैक बाउंस के 57 प्रकरण प्रस्तुत किए गये जिसमे से 01 प्रकरण में 1 लाख 23 हजार रुपये के मामले का निराकरण हुआ व भरण-पोषण धारा 125 के अंतर्गत के 02 प्रकरण तथा घरेलुहिंसा के अंतर्गत

04 प्रकरण, कुल 40 प्रकरणों में आपसी राजीनामा के माध्यम से समझौता हुआ।

इसी प्रकार खंडपीठ क्रमांक 16 के पीठासीन अधिकारी श्री संजय शाक्य व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड बैहर के न्यायालय में आपराधिक मामलों के 18 प्रकरण एवं एन.आई.एक्ट चैक बाउंस के 01 प्रकरण का व सिविल वाद के 04 प्रकरण कुल 23 प्रकरण में आपसी राजीनामा के माध्यम से समझौता हुआ।

प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के अंतर्गत समस्त बैंकों के ऋा संबंधित 850 प्रकरण प्रस्तुत किए गए जिसमें से 18 प्रकरणों में 10 लाख 27 हजार रुपये की वसूली हुई, नगर पालिका के अंतर्गत जलकर में 156 प्रकरण प्रस्तुत

किए गए जिसमें से 28 प्रकरणों में 58 हजार 750 रुपये तथा संपत्ति कर के 235 प्रकरण प्रस्तुत किए गए जिसमे 55 प्रकरणों में 1 लाख 29 हजार 186 रुपये की वसूली हुई इसी प्रकार भारत संचार निगम लिमिटेड बैहर के 170 प्रकरण प्रस्तुत किए गए जिसमें से 06 मामलों में 8 हजार 271 रूपयों की वसूली हुई।

इसी प्रकार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैहर के 1038 प्रकरण प्रस्तुत किए गए जिसमें से 30 मामलों में 3 लाख 57 हजार 273 रूपयों की वसूली हुई। इसी प्रकार नॉन बैंकिंग फर्मसेस कंपनी के 214 प्रकरण प्रस्तुत किए गए जिसमें से 10 मामलों में 23 हजार 650 रूपयों की वसूली हुई।

माटी से गढ़ी गणेश प्रतिमा, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भटगांव में 'माटी गणेश - सिद्ध गणेश' अभियान के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण, पीओपी प्रतिमाओं से बचने की अपील

जगप्रेरणा मंडला।

गणेश चतुर्थी पर्व को पर्यावरण अनुकूल बनाने और नदी, तालाब सहित जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से ग्राम भटगांव में 'माटी गणेश-सिद्ध गणेश' अभियान के तहत एक दिवसीय माटी गणेश प्रतिमा निर्माण प्रशिक्षण आयोजित किया गया।



मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मंडला एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने की विधि सिखाई गई।

कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक सूरज बर्मन की उपस्थिति रही। नवांकुर संस्था आदिवासी जनकल्याण विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक आरुणी सिंगरोरे ने सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रतिभागियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने स्वयं प्रतिमा बनाकर

निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं को समझाया। इसके बाद प्रतिभागियों ने भी अपने हाथों से मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाकर प्रशिक्षण लिया। पीओपी प्रतिमाओं से होने वाले प्रदूषण की दी जानकारी

प्रशिक्षण के दौरान प्लास्टर ऑफपेरिस और रासायनिक रंगों से बनी गणेश प्रतिमाओं के जलस्रोतों में विसर्जन से होने वाले प्रदूषण के

प्रति लोगों को जागरूक किया गया। नागरिकों से मिट्टी की गणेश प्रतिमा स्थापित करने और विसर्जन घर पर ही गमले, टब या बड़े पात्र में करने की अपील की गई।

बताया गया कि प्रतिमा विसर्जन के बाद बची मिट्टी का उपयोग पौधों एवं गमलों में किया जा सकता है।

गांव-गांव पहुंचाया जाएगा पर्यावरण संरक्षण का संदेश।

कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं से माटी गणेश प्रतिमा निर्माण की कला को गांव-गांव तक पहुंचाने और लोगों को पर्यावरण अनुकूल गणेश उत्सव के लिए प्रेरित

करने का आह्वान किया गया।

अभियान के माध्यम से धार्मिक आस्था और परंपरा को बनाए रखते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में परामर्शदाता देवेंद्र वरकडे, जय प्रकाश झारिया, सामाजिक कार्यकर्ता विजय सरवटे, समिति सदस्य छत्तू मरावी, भागसिंह कुलस्ते, समर कुमार सहित नवांकुर साथियों एवं अन्य प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

आलोक संघ करेगा जिले के प्रतिभाओं को सम्मानित, आयोजन को लेकर बैठक संपन्न

जगप्रेरणा लांजी।

जिले की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम को लेकर 13 सितंबर को भारती लॉन लांजी में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

बैठक में कार्यक्रम को भव्य एवं गरिमामय रूप से आयोजित करने तथा अधिक से अधिक प्रतिभावान लोगों को सम्मानित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन की तैयारियों, व्यवस्थाओं और कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने सुझाव रखे।

बैठक में जिला आलोक संघ बालाघाट के जिला अध्यक्ष प्रभुलाल पिछोड़े, आलोक के राष्ट्रीय संगठन सचिव सी.डी. नगपुरे, राष्ट्रीय एंकरिंग समिति अध्यक्ष दुर्गा सुलाखे, प्रदेश संगठन सचिव अनोश बसेने, ब्लॉक अध्यक्ष बालाघाट कन्हैया



मरकरो, ब्लॉक अध्यक्ष किरनापुर पन्नालाल नगपुरे, आलोक प्रमोटर सोमालाल बघेले, जिला उपाध्यक्ष आई.डी. रनगिरे, जिला सदस्य लक्ष्मण रनगिरे, सदस्य सुभाष नागपुरे एवं श्रीराम बोहने सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में अवंती साधना मंच लांजी, आलोक संघ लांजी एवं लोधी महासभा लांजी के सदस्यों ने भी

सहभागिता की। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि प्रतिभाओं को सम्मानित करने से उनमें आगे बढ़ने का उत्साह पैदा होता है तथा समाज की अन्य प्रतिभाओं को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर सहमति व्यक्त की।



हरमनप्रीत से नो-हैंडशेक विवाद के बाद निगार सुल्ताना की बड़ी मुश्किलें, बोर्ड ने भी झाड़ा पल्ला..

डेस्क जगप्रेरणा।
वुमेंस एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और बांग्लादेश के मैच से पहले एक अजीब घटना देखने को मिली। टॉस खत्म होने के बाद बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने हरमनप्रीत कौर से हाथ मिलाने से मना कर दिया।



हालांकि उन्होंने ऐसा क्यों किया इसकी सही वजह अभी सामने नहीं आई है। इस विवाद पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने पल्ला झाड़ते हुए कहा है कि हाथ न मिलाने की सलाह बोर्ड ने नहीं दी थी, बल्कि यह पूरी तरह से कप्तान निगार सुल्ताना का अपना व्यक्तिगत फैसला था।
BCB की महिला समिति के अध्यक्ष ने इस मामले पर दिया बड़ा बयान..

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की महिला समिति के अध्यक्ष रफीकुल इस्लाम बाबू ने यह साफ कर दिया है कि भारतीय कप्तान हरमनप्रीत

उन्होंने जो किया, वह पूरी तरह उनका निजी फैसला था।
सेमीफाइनल मैच में टीम इंडिया ने दर्ज की थी जीत..

भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए पहले सेमीफाइनल मैच की बात करें तो वहां टीम इंडिया ने 40 रनों से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की की। उस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 149 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने 44 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा भारतीय बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया। 150 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 109 रन ही बना सकी।
 भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए। इस तरह भारतीय टीम ने 40 रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ बांग्लादेश का महिला एशिया कप में सफर एक बार फिर सेमीफाइनल में खत्म हो गया। टीम ने 2018 में पहली बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था।

एलेना रिबाकिना ने रचा इतिहास, सबालेंका को हराकर जीता पहला US ओपन खिताब..

डेस्क जगप्रेरणा।
एलेना रिबाकिना ने US ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। उन्होंने महिला सिंगल्स के फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया।



ओपन चैंपियन मिरां आंद्रीवा के साथ इस साल सबसे ज्यादा तीन खिताब जीतने वाली खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं। रिबाकिना का जन्म रूस में हुआ था, लेकिन वह कजाखस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।
 उन्होंने 2022 में विंबलडन जीतकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया था। अब उनके पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन

खिताब है और इस साल उनकी दूसरी बड़ी ट्रॉफी। खास बात यह है कि दोनों ग्रैंड स्लैम जीत उन्होंने सबालेंका को हराकर हासिल की है। साल की शुरुआत में रिबाकिना ने सबालेंका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब भी जीता था।
जीती 5.5 मिलियन डॉलर की इनामी राशि

US ओपन का खिताब जीतने के साथ रिबाकिना ने 5.5 मिलियन डॉलर की इनामी राशि भी हासिल की, जो ग्रैंड स्लैम इतिहास में सबसे बड़ी इनामी राशि है।
 इस जीत के साथ इस सीजन में उनके नाम तीन खिताब हो गए हैं। वह सबालेंका और फ्रेंच

का खिताब जीतना बाकी है।
सबालेंका का सपना टूटा..
 आर्यना सबालेंका लगातार तीसरी बार US ओपन चैंपियन बनने के इरादे से कोर्ट पर उतरी थीं। अगर वह सफल होतीं तो 2012 से 2014 के बीच सेरेना विलियम्स के बाद फ्लोरिंशिंग मीडोज में लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनतीं। हालांकि, फाइनल में उन्हें रिबाकिना की चुनौती के सामने हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद सबालेंका ने रिबाकिना से कुछ देर गले मिलने के बाद अपना रैकेट तोड़ दिया। उन्हें उपविजेता के तौर पर 2.8 मिलियन डॉलर मिले।

हॉकी इंडिया लीग फ्रेंचाइजी मालिकों से सोमवार को मिलेंगे खेलमंत्री मांडविया..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)
हॉकी इंडिया में जारी उथलपुथल के बीच संकट से घिरी हॉकी इंडिया लीग को बचाने की कवायद में खेलमंत्री मनसुख मांडविया सोमवार को फ्रेंचाइजी मालिकों से मुलाकात करेंगे जिसमें हॉकी इंडिया के शीर्ष पदाधिकारी भी मौजूद होंगे। हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिकी ने शनिवार को महानिदेशक कमांडर आर के श्रीवास्तव से सारे अधिकार लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया था जिसके बाद से महासंघ में काफी उथल पुथल है।

मांडविया ने कहा था कि आईएसएल की तरह हॉकी लीग को बचाने की कोशिश में वह फ्रेंचाइजी मालिकों से मिलेंगे।
 सूत्र ने कहा, 'खेलमंत्री ने फ्रेंचाइजी मालिकों और हॉकी इंडिया को कल मुलाकात के लिये बुलाया है। पूरी कोशिश है कि बातचीत के जरिये लीग के सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त हो सके।' मंत्रालय के सूत्र ने कहा, 'भारतीय हॉकी टीमों खासकर महिला खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। विश्व कप में महिला टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है और इससे हमारे खिलाड़ियों की असीम क्षमता का पता चलता है।
 हॉकी इंडिया लीग उन्हें प्रतिस्पर्धा, विकास और उत्कृष्ट प्रदर्शन में मदद करेगी जिससे भारतीय हॉकी का भविष्य मजबूत होगा।' बैठक में हॉकी इंडिया लीग की हैदराबाद तूफान फ्रेंचाइजी से आलोक सांघी, के साइ प्रकाश, एपीएल पाइपर्स से जीएम विजय कृष्ण और उपाध्यक्ष दिग्विजय सिंह देव, श्राची बंगाल टाइटान्स से तमल घोषाल, यूपी रुद्रास के पूर्व फ्रेंचाइजी मालिक जेकेसी स्पोर्ट्स से सीईओ सुखविंदर सिंह, एसजी पाइपर्स के प्रतिनिधि, बेंगलुरु की इंडिया स्पोर्ट्स स्टेक से

संस्थापक नितिन मित्तल और सह संस्थापक आलाप राय, चेन्नई फ्रेंचाइजी के प्रतिनिधि और ओडिशा महिला टीम के प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है।
 जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीईओ दिव्यांशु सिंह आनलाइन जुड़ेंगे जबकि सीनियर मैनेजर बैठक में मौजूद होंगे। हॉकी इंडिया की ओर से अध्यक्ष टिकी के साथ शीर्ष पदाधिकारी और अधिकारी बैठक में भाग लेंगे। विश्व कप के दौरान कप्तान सलीमा टेटे , पूर्व कप्तान सविता पुनिया, उपकप्तान नवनीत कौर, अनुभवी मिडफील्डर नेहा गोयल समेत महिला हॉकी खिलाड़ियों ने लीग को बचाने की अपील की थी।
 भारतीय महिला टीम 1974 के बाद विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवें स्थान पर रही। टूर्नामेंट के बाद सविता सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये प्रधानमंत्री और खेलमंत्री से लीग को बचाने की गुहार लगाई थी। पिछले साल इंडियन सुपर लीग फुटबॉल को लेकर इसी तरह की समस्यायें सामने आने पर दिसंबर में खेलमंत्री ने सभी पक्षों के साथ बैठक की थी जिसके बाद आईएसएल के आयोजन का मार्ग प्रशस्त हुआ हालांकि मैचों की संख्या में कटौती की गई।

दरियां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेटरस, शॉल, ब्लैकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्तरी, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरे, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..



सानिया मिर्जा और साइना नेहवाल पर कमेंट कर फंसी मैरी कॉम, बातें सुन भड़के बिग बॉस फैज, बवाल मचते ही टीम ने मांगी माफी..

डेस्क जगप्रेरणा।
बॉक्सिंग रिंग की चैंपियन मैरी कॉम इन दिनों रिवेलिटी शो 'बिग बॉस 20' में अपनी उपस्थिति को लेकर चर्चा में हैं। शो में मैरी कॉम का अलग ही अवतार देखने को मिल रहा है।



बताना, घमंडी होने जाये है।' सोशल मीडिया पर यूजर्स की नाराजगी देखने के बाद मैरी की टीम ने आगे आकर उनके बयान के लिए माफी मांगी।
मैरी कॉम की टीम ने मांगी माफी..

जैसे ही मैरी कॉम के बयान को लेकर सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना होने लगी, उनकी टीम

बिग बॉस हाउस में एंट्री के बाद से ही मैरी कॉम खुद की तारीफों के पुल बांधे जा रही हैं और उनका ये अंदाज देखकर दर्शक भी हैरान हैं। घरवालों से बातचीत के दौरान अक्सर मैरी कॉम अपनी उपलब्धियों का गुणगान खुद ही करती दिखाई दे जाती हैं। शुरुआती एपिसोड में मैरी कॉम ने साफ़तौर पर उन लोगों को लेकर नाराजगी जताई थी, जिन्होंने उनकी सफलता का श्रेय लेने की कोशिश की। अब हालिया एपिसोड में मैरी कॉम ने काजी तौकीर के साथ बातचीत में अपनी उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए कुछ ऐसा कहा जो दर्शकों को पसंद नहीं आया।

मेरे जैसा किसी ने कुछ हासिल नहीं किया- मैरी कॉम..

डाइनिंग एरिया में मैरी कॉम सिंगर काजी तौकीर के साथ बातचीत करती दिखीं। बातचीत के दौरान काजी तौकीर खेलों में सफल भारतीय महिलाओं के बारे में बात करते हैं और टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की उपलब्धि का जिक्र करते हैं। काजी कहते हैं- 'हमारे यहां खेलों में किन-किन

लड़कियों ने कमाल किया है...? सानिया मिर्जा ने भी कमाल किया है और साइना नेहवाल ने भी...' इसी बीच मैरी कॉम, काजी को रोकती हैं और कहती हैं- 'लेकिन, मेरे जैसा किसी ने कुछ हासिल नहीं किया। मैं छह बार की वर्ल्ड चैंपियन रही हूं।'

मैरी कॉम की बातों पर भड़के सोशल मीडिया यूजर..

मैरी कॉम की बातें सुनने के बाद कुछ दर्शकों ने कहा कि मैरी कॉम में अहंकार है तो कुछ का कहना था कि वह अन्य महिला खिलाड़ियों को खुद से कम आंक रही हैं। सोशल मीडिया पर मैरी कॉम को उनके बयान के चलते निशाने पर लिया जाने लगा। एक यूजर ने लिखा- 'काजी तौकीर महिला खिलाड़ियों की तारीफ कर रहे हैं और मैरी कॉम अजीब व्यवहार कर रही हैं। दूसरों की तारीफ करने में आखिर क्या बुराई है? वो तो उस खेल से भी नहीं हैं, जिसमें आप हिस्सा लेती हैं। बहुत ही बेतुका है।' वहीं एक ने लिखा- 'मैरी कॉम शुरू से ही अहंकारी लग रही हैं।' एक और लिखता है- 'दूसरे खिलाड़ियों की उपलब्धियों को नजरअंदाज करना और खुद को महान

ने उनके आधिकारिक एक्स अकाउंट से पोस्ट साझा करते हुए माफी मांगी। टीम ने लिखा- 'अगर मैरी की बातों का गलत मतलब निकल रहा है तो हम इसके लिए माफी चाहते हैं। उनका मकसद कभी भी किसी दूसरे एथलीट के सफर को कम आंकना या उनकी तुलना करना नहीं था। मैरी उन सभी खिलाड़ियों का दिल से सम्मान करती हैं जो भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं और खेल के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर देते हैं। हर किसी का सफर अपने आप में अलग और अनोखा होता है, हर कामयाबी मायने रखती है और हर मेडल भारत का मान बढ़ाता है।'

एक्स हसबैंड पर कमेंट को लेकर भी हुई थीं ट्रोल्..

इससे पहले मैरी कॉम फरवरी में अपने पूर्व पति से तलाक को लेकर की गई टिप्पणियों को लेकर आलोचनाओं के घेरे में फिर गई थीं। उन्होंने एक बयान में कहा था कि उनके पति ने 'एक रुपया भी नहीं कमाया।' अपने बयान को लेकर ट्रोल् होने के बाद उन्होंने माफी मांगते हुए एक वीडियो शेयर किया और कहा कि उनकी बातों का गलत अर्थ निकाला गया।

गणेश चतुर्थी पर शिल्पा शेटी के घर पधारे बप्पा, एक्ट्रेस ने जयकारों के साथ किया स्वागत, चेहरे पर दिखी खुशी...

डेस्क जगप्रेरणा।
गणेश चतुर्थी के आते ही पूरा देश उत्सव के रंग में रंग जाता है। खासतौर पर मायानगरी मुंबई में ये त्योहार बहुत ही धूमधाम से सेलिब्रेट होता है। बॉलीवुड के कई सितारे अपने घर पर हर साल बप्पा का स्वागत करते हैं और इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।



का स्वागत किया। एक्ट्रेस अपने पति राज कुंद्रा के साथ मिलकर गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले बप्पा की प्रतिमा घर लाई हैं। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें छई हैं। सेलिब्रिटी पैरराजी विरल भयानी ने भी एक वीडियो साझा किया है, जिसमें शिल्पा शेटी और राज कुंद्रा को बप्पा का स्वागत करते देखा जा सकता है। पिस्ता ग्रीन सूट में शिल्पा चप्पल उतारकर कार से बप्पा को उतारती हैं और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों के साथ बप्पा की प्रतिमा का स्वागत घर में किया।
शिल्पा शेटी ने बीते साल नहीं मनाया था गणेशोत्सव..

शिल्पा शेटी हर साल धूमधाम से गणेश उत्सव मनाती हैं और बप्पा को लेकर उनकी आस्था से हर कोई वाकिफ है। लेकिन, बीते साल यानी 2025 में शिल्पा के परिवार ने ये पर्व सेलिब्रेट नहीं किया। दरअसल, अभिनेत्री के परिवार में शोक के

चलते वह ये परंपरा पिछले साल जारी नहीं रख सकीं। परंपराओं के अनुसार, घर में कोई शोक होने पर 13 दिनों तक कोई पूजा-पाठ नहीं होती है, इसी कारण शिल्पा शेटी भी पिछले साल बप्पा का स्वागत नहीं कर सकीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये जानकारी साझा की थी।
ये सेलिब्रिटी भी बप्पा का करते हैं स्वागत..

शिल्पा शेटी ही नहीं, बॉलीवुड में कई सितारे हैं जो गणपति उत्सव के दौरान अपने घर में बप्पा का स्वागत करते हैं। सोनू सूद, अर्पिता खान, आरुष्मान खुराना, कार्तिक आर्यन, श्रद्धा कपूर, सोनाली बेंद्रे सहित कई सितारे हर साल अपने घर में धूमधाम से बप्पा की प्रतिमा स्थापित करते हैं। कई टीवी सेलिब्रिटी भी ये पर्व धूमधाम से मनाते हैं।

शिल्पा शेटी की पशुपतिनाथ मंदिर यात्रा..

शिल्पा शेटी अगस्त की शुरुआत में नेपाल के काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए भी पहुंची थीं। अभिनेत्री ने खुद सोशल मीडिया पर अपनी इस यात्रा की झलकियां साझा की थीं, जिसमें वह मंदिर के सामने हाथ जोड़े, पीले रंग के सूट में नजर आईं। उन्होंने इसे अपनी नेपाल डायरीज का हिस्सा बताया और दर्शन को लेकर अपनी खुशी जाहिर की।

10 करोड़ रुपये की एलिमनी लेंगी आकांक्षा चमोला? गौरव खन्ना से तलाक के बीच अफवाहों पर दिया जवाब...

डेस्क जगप्रेरणा।
गौरव खन्ना से अलग हो चुकी उनकी पत्नी आकांक्षा चमोला ने एक्टर से 10 करोड़ रुपये का गुजारा भत्ता लेने की अफवाहों पर खुलकर बात की है।



'लॉक अप 2' फेम एक्ट्रेस ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने इतनी बड़ी रकम की मांग नहीं की है। उनकी यह सफाई तब सामने आई, जब ओरी ने उनके तलाक पर कमेंट करते हुए कहा, 'मुझे यकीन है कि वह उस तलाक में उससे कुछ न कुछ जरूर लेंगी।' साथ ही अपने इंस्टाग्राम यूजरनेम बदलने के बारे में भी बात की। मेशबल इंडिया के साथ हाल ही में हुए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला से पूछा गया कि क्या वह एलिमनी के तौर पर 10 करोड़ रुपये मांग रही हैं।
 इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'अगर मांगा होता और अगर मिल गया होता तो

मैं यहां बैठी होती।' उन्होंने आगे अपना कहें को खारिज करते हुए कहा, 'अगर सच में मेरे पास इतने पैसे होते न तो मैं कब का यह देश छोड़कर चली गई होती।'

बाद में इन अफवाहों पर हंस पड़ीं। आकांक्षा ने सफाई देते हुए, कहा कि उन्होंने एलिमनी के तौर पर इतनी बड़ी रकम की मांग नहीं की है। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने उन ट्रोल्स को भी जवाब दिया, जिन्होंने उन्हें 'शुगर डैडी सीकर' कहा है, क्योंकि उन्होंने 24 साल की उम्र में गौरव से शादी की थी जो उनसे 10 साल बड़े हैं। इन

कमेंट्स का जवाब देते हुए आकांक्षा ने कहा कि 30, 40 या 50 साल की उम्र के पुरुषों को 'शुगर डैडी' कहा जाता है। गौरव की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, '10 साल बड़ा व्यक्ति शुगर डैडी नहीं हो सकता।' आकांक्षा ने यह भी बताया कि उन्होंने अपना इंस्टाग्राम यूजरनेम क्यों नहीं बदला है, जो अभी भी 'आकांक्षा गौरव खन्ना' ही है। उन्होंने समझाया कि मेटा के साथ किसी समस्या के कारण वह इसे बदल नहीं पा रही हैं।
उन्होंने कहा, 'मेटा वाले इसे बदल नहीं रहे हैं।'

आकांक्षा चमोला और गौरव खन्ना की शादी 24 नवंबर 2016 को बिग बॉस 19 विनर के होमटाउन कानपुर में तीन दिन तक चले समारोह में हुई थी। शादी के लगभग एक दशक बाद आकांक्षा ने जून 2026 में 'लॉक अप: सच या सपना' के प्रीमियर के दौरान सबके सामने उनके अलग होने की पुष्टि की और बताया कि वे लगभग एक साल से अलग रह रहे थे। उन्होंने कहा कि यह फैसला आपसी सहमति से लिया गया था और उनके बीच कोई कड़वाहट नहीं है।

लेख, लघु कथा,
कविताएं एवं साहित्य
सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

7

सोमवार 14 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय

■ लेख

■ कविता

■ व्यंग्य

■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)

दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा

मो. 9407033433

गाँव से गूगल तक हिंदी की नई यात्रा..

हिंदी दिवस सिर्फ भाषा का उत्सव नहीं, बल्कि लोकतंत्र के उस स्तंभ का स्मरण है, जिस पर संवाद टिका है। सहभागिता तभी संभव है, जब भाषा सबकी समझ में आए। हिंदी ने इसी भूमिका को निभाते हुए संविधान सभा की बहसों से लेकर सोशल मीडिया तक सत्ता और जनता के बीच एक सशक्त पुल का काम किया है।

समय के साथ अनेक चुनौतियों के बावजूद हिंदी हर दौर में स्वयं को बदलती और नई तकनीक तथा नए मंचों के अनुरूप ढालती रही है। कभी गाँव की चौपालों में गुंजने वाली हिंदी आज गूगल सर्च, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और अन्य डिजिटल मंचों पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। डिजिटल युग ने हिंदी को एक नया विस्तार दिया है। किसान क्वार्टरसेप पर अपनी बात रख रहा है और युवा सोशल मीडिया के माध्यम से सवाल पूछ रहा है।

आज हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण भाषा बन चुकी है। सूचना का उत्पादन, विचारों का निर्माण, जनमत की अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक नवाचार—इन सभी क्षेत्रों में हिंदी की भूमिका लगातार बढ़ रही है। गाँव से गूगल तक का यह सफर हिंदी को नई संभावनाएँ भी दे रहा है और नई चुनौतियाँ भी।

भारत की डिजिटल क्रांति का वास्तविक चेहरा छोटे शहरों और कस्बों में दिखाई देता है, जहाँ सस्ते इंटरनेट और स्मार्टफोन ने हिंदी को नया असमान दिया है। मथुरा का कवि यूट्यूब पर अपनी कविता सुना सकता है, तो पटना का शिक्षक डिजिटल मंच के माध्यम से लाखों विद्यार्थियों तक पहुँच सकता है। हिंदी अब केवल +गाँव की भाषा+ नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक पहचान का माध्यम बन रही है।

हिंदी में इंटरनेट खोजों और डिजिटल सामग्री की बढ़ती मांग ने भाषा के स्वरूप को भी बदल दिया है। हिंदी अब साहित्य और समाचारों तक सीमित नहीं है। मीम, स्टैंड-अप, पोंडकास्ट, रील, ब्लॉग और डिजिटल मार्केटिंग तक इसका विस्तार हो चुका है। कंटेंट क्रिएटर्स की नई अर्थव्यवस्था ने युवाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी खोले हैं। शिक्षा से लेकर मनोरंजन तक, हिंदी डिजिटल लोकतंत्र की एक प्रभावशाली आवाज बन रही है।

प्रवासी भारतीय भी हिंदी से निरंतर जुड़े हुए हैं और तकनीक ने इस जुड़ाव को और मजबूत किया है। सोशल मीडिया पर हिंदी के हैशटैग जनभावनाओं और सामाजिक विमर्श को व्यापक मंच देते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वॉइस सर्च और मशीन ट्रांसलेशन जैसी तकनीकों ने हिंदी को

तकनीकी दुनिया में नई शक्ति प्रदान की है।

कल्पना कीजिए—एक किसान बिना अंग्रेजी जाने अपने मोबाइल पर हिंदी में वॉइस सर्च करके मौसम की जानकारी प्राप्त कर सकता है। यह केवल तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि ज्ञान तक बराबर पहुँच का अहसास है। मशीन ट्रांसलेशन और भारतीय भाषाओं पर आधारित तकनीकें ज्ञान की दुनिया को हिंदी सहित अन्य भारतीय भाषाओं में अधिक सुलभ बना सकती हैं। यदि एआई के विकास में पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण हिंदी डेटा का उपयोग हो, तो भविष्य की डिजिटल दुनिया अधिक हिंदी-मैत्रीपूर्ण हो सकती है।

लेकिन इस यात्रा के सामने चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। इंग्लिश के बढ़ते प्रयोग के बीच हिंदी की मौलिकता और भाषिक पहचान को लेकर चिंता स्वाभाविक है। इंटरनेट पर हिंदी सामग्री की मात्रा बढ़ी है, लेकिन उसकी गुणवत्ता, तथ्यात्मकता और भाषा की शुद्धता पर अभी पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है। हमें ऐसी हिंदी चाहिए जो आधुनिक भी हो, सहज भी हो और जिम्मेदार भी।

आज हिंदी केवल किताबों के पन्नों पर नहीं, बल्कि मोबाइल की स्क्रीन पर भी अपना भविष्य लिख रही है। सोशल मीडिया ने हिंदी को अभिव्यक्ति का ऐसा मंच दिया है, जहाँ गाँव की आवाज वैश्विक मंच तक पहुँच सकती है। स्टार्टअप, बैंकिंग, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल सेवाएँ हिंदी सहित भारतीय भाषाओं में विस्तार कर रही हैं। ऐसे में हिंदी के रचनाकार केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि शिक्षा, जागरूकता और लोकतांत्रिक संवाद के वाहक भी बन सकते हैं।

डिजिटल युग में हिंदी लोकतंत्र की नई धड़कन है। हमें यह भी देखना होगा कि हिंदी का यह विस्तार समाज को कितना जोड़ रहा है, ज्ञान को कितना सुलभ बना रहा है और कितने नए लोगों को डिजिटल

दुनिया में भागीदारी का अवसर दे रहा है। सही दिशा में प्रयास किए जाएँ, तो डिजिटल हिंदी आधुनिक चौपाल की तरह लोगों को जोड़ सकती है और लोकतंत्र को अधिक जीवंत बना सकती है।

हिंदी दिवस हमें याद दिलाता है कि हिंदी का नया भूगोल केवल उत्सव का विषय नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का भी विषय है। हमें ऐसी हिंदी गढ़नी है जो गाँव की आत्मा को बचाए, गूगल की तकनीक को अपनाए, लोगों को जोड़े, रोजगार के अवसर बनाए और सृजन को नई दिशा दे।

यह हिंदी का सबसे रोमांचक दौर है—जहाँ गाँव की चौपाल से लेकर गूगल के वैश्विक मंच तक हिंदी अपनी नई पहचान गढ़ रही है और उसके साथ भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक यात्रा का भी एक नया नक्शा तैयार हो रहा है।

हाँ मैं हिंदी हूँ..

हिंद की हिंदी हूँ, हाँ मैं हिंदी हूँ।
जननी मेरी संस्कृत, मैं कितनो की जननी।

है शब्दकोश मेरा विशाल,
व्याकरण वर्तनी का सार हूँ।
भाषा, वर्णों का आधार हूँ,
52 वर्णों का मुझ में संगम। हाँ मैं हिंदी हूँ।

संप्रेषण की भाषा, राष्ट्र का प्रतीक हूँ।
जन-जन में समायी,
भावनाओं की अभिव्यक्ति,
हृदय का उदगार हूँ। हाँ मैं हिंदी हूँ।

वेद- ऋचाओं का सार,
आदिकाल से आधुनिक काल तक,
कठिन सफ़र तय किया।
विघ्न- बाधाओं को ठेलती,
जनमानस में राज किया। हाँ मैं हिंदी हूँ।

मीठे -मधुर मेरे बोल, सबके दिल को, माती हूँ।
रंक, राजा, ज्ञानी, अज्ञानी विद्वान,विदुषी, महात्मा,
सबको सहजआ जाती हूँ। हाँ मैं हिंदी हूँ।
सूर, कबीर, तुलसी, मीरां,
रसखान, रहीम, खुसरौ,
किन-किन का नाम लू,
सारे कवियों की शान हूँ।
सब ने मुझे अपनाया है। हाँ मैं हिंदी हूँ।

कश्मीर की वादियों की गूँज हूँ मैं,
कन्याकुमारी के
मंदिरों का पुंज हूँ मैं।
अरुणाचल की अरुण लालिमा,
गुजरात की सुहानी शाम हूँ मैं।
हाँ मैं हिंदी हूँ।

सहज, सरल सुबोध, सुगम,
संविधान में वर्णित हूँ मैं।
राजभाषा के
सिंहासन पर विराजित,
राष्ट्रभाषा का मुकुट पहनु,
ऐसी अभिलाषी हूँ मैं।
हाँ मैं हिंदी हूँ।
हाँ मैं हिंद की हिंदी हूँ।

लेखिका



किंजल इलेश मेहता

गोदिया, महाराष्ट्र

(भारत)

जय हिन्दी, जय हिन्दुस्तान

जय हिन्दी, जय हिन्दुस्तान।
इसमें बसे, हम सबके प्राण।

मन में एक यही अभिलाषा।
संदेह न इसमें तोला- मासा।
देश की जब भी बात चले तो
हिन्दी हो इसकी परिभाषा।

दिव्यता का इसमें मान।
जय हिन्दी, जय हिन्दुस्तान।।

तुलसी, सूर, कबीरा, मीरा।
पंत, निराला, रब ज्यों हीरा।
भारतेन्दु, और मुंशी प्रेमचंद
नीरज, बच्चन ने तम चौरा।

बढ़ाया हिन्दी का मान।
जय हिन्दी, जय हिन्दुस्तान।।

विश्व में हिन्दी
अलख जगाती।
भारतीय वया, सबको माती।
इसमें प्यार, दुलार बहुत है-
जैसे पुत्र को मां सहलाती।

हिन्द की यह पहचान।
जय हिन्दी, जय हिन्दुस्तान।।

रचनाकार



शशि तिवारी,

गोदिया (महाराष्ट्र)

अपनी भाषा..

रविवार का दिन था और स्कूल की छुट्टी थी। रोमी अपने दादाजी के साथ बाजार जा रहा था। उसे किताब की दुकान से कहानियों की कुछ किताबें खरीदनी थीं। रोमी को कहानियां पढ़ना बहुत पसंद था, और यह आदत उसको उसके दादाजी ने लगवाई थी। दुकान पर पहुंचकर रोमी दुकानदार से पूछता है -

‘अंकल जी, कहानियों की कुछ किताबें हैं, क्या?’
‘हां, किस भाषा में चाहिए? हिंदी या इंग्लिश’ दुकानदार किताबों की तरफ देखते हुए पूछता है।
‘इंग्लिश की ही चाहिए, हिंदी कौन पढ़ता है?’ रोमी ने हंसकर कहा। रोमी कि यह बात सुनकर दादा जी को बहुत बुरा लगा, पर वह वहां चुप रहे। दुकानदार किताबें दिखता है और रोमी अपने लिए कुछ किताबों का चयन कर, उन्हें खरीद लेता है।
घर लौटते समय रास्ते में दादा जी रोमी से पूछते हैं –
‘तुम्हें हिंदी नहीं पसंद है, क्या?’
रोमी ने उनकी तरफदेखा और मुस्कराकर बोला –
‘नहीं दादाजी, मेरे सारे दोस्त और शिक्षक इंग्लिश में ही बातें करते हैं। और परीक्षा में मेरे इंग्लिश में ही सबसे ज्यादा अंक आते हैं’

दादाजी रोमी को पास के पार्क में ले गए और बेंच पर बैठते हुए समझाया कि -
‘देखो! रोमी, अन्य भाषाओं का ज्ञान लेना अच्छी बात है। पर, अपनी खुद की मातृभाषा से दूर भागना भी अच्छ नहीं है। हमारी भाषा हमारे संस्कारों का दर्पण होती हैं। उनमें हमारी संस्कृति, इतिहास और मर्यादा छिपी होती है। तो अपनी भाषा जानना, बोलना और लिखना कोई शर्म की बात नहीं है, बल्कि वह हमें स्वयं के करीब ले जाती है।’
दादाजी की बातें रोमी को समझ आ जाती हैं। वह समझ जाता है कि वह हिंदी के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक धरोहर को भी बुलाता जा रहा था। उस दिन के बाद से रोमी हिंदी किताबें पढ़ना और हिंदी को जानना शुरू कर देता है।

लेखक



प्रणव राज,

बिहार

‘विनायक तेरा नाम’ ..

मेरे मन के हर कोने में,
विनायक। तेरा नाम रहे।
मेरे जीवन के विघ्नों को,
गजानन। तू ही दूर करे।
लम्बोटर। तेरा स्मरण ,
करता रहूँ यही आशा।
मेरा मन सीखे अनवरत,
मानव -मेा की भाषा।
मेरे हृदय में स्थापित हो,
स्थायी आभा जब तेरी।
तब ही समझूँ, कृपा पूर्ण हुई,
भावना है यह मेरी।
सभी कार्य मेरे संचालित,
होते तेरी शक्ति से।
बुद्धिप्रदाता। त्वरित वेग से,
पूरे मधुरिम भक्ति से।
गणपति। तेरे विवाह का कर,
निज-आवास में स्थापन।
खुली हवा मिलती है मुझको,
खोल हृदय के वातायन।
‘यमुनेश्वर्य’ मेरी लेखनी,
भरी रहे नवरंगों से।

प्रभुवर ऐसी कृपा हो मुझपर,
सुजन हो नवल तरंगों से।
मेरे मन के हर कोने में,
विनायक तेरा नाम रहे।
मेरे जीवन के विघ्नों को,
गजानन तू ही दूर करे।

रचनाकार



वल्लभ यमुनेश्वरी

नैनपुर

सायलेंट डिवॉर्स

रिश्ता टूट-सा गया..
साथ छूट-सा गया..

कागज जैसे राह देख
रहा है दस्तखत की,
दिल को एक और
मौका दिया जा रहा..

वक्त के साथ बदलेगे हालात,
खुद को समझाया जा रहा..
खुद की गवाही काफ़ी न थी,
हम पर एक और इल्जाम
लगाया जा रहा..

वो यादें, वो बातें,
वो रातों के तेरे वादे,
वो तेरा मुझे
शुरू-शुरू में चाहना..
सात फेरों के कच्चे थे वो धागे,
जिन्हें तू तोड़े जा रहा..

वापस करके,
गुमान मुझसे
मेरा छीना जा रहा..

जाते-जाते इतना
बता दे, ऐ हमदर्द,
रातों को सुकून से सो सकूँ,
और सुबह ज़िंदा उठ सकूँ—
ऐसी कोई वजह दे जा..

यूँ आदत लगाकर अपनी, मुझे
वो ख़ामोशी से दूर जा रहा..
ज़रा टटोल ले
अपने भी दिल को,
पहले जैसे हम नहीं
या पहले जैसा अब मन न रहा..

लेखिका



सोनाली राहुल

वाट

शब्दवर्गपहेली क्र.- 271

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

32

33

34

35

36

37

38

39

40

41

42

43

44

45

46

47

48

49

50

51

52

53

54

55

56

57

58

59

60

61

62

63

64

65

66

67

68

69

70

71

72

73

74

75

76

77

78

79

80

81

82

83

84

85

86

87

88

89

90

91

92

93

94

95

96

97

98

99

100

101

102

103

104

105

106

107

108

109

110

111

112

ck

1

nk

1

भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री जिन्होंने इस पद पर रहते हुये लोकसभा में कभी प्रवेश नहीं किया 4) हास्य प्रधान काव्यमय नाट्य 7) सदा 10) शहजादे सलीम की मेहबूबा 14) एक शिकारी पक्षी 15) विभाग 16) खान अब्दुल गफ़ार खान को दी गई उपाधि 18) मनोरंजन करना 20) भारत के एक प्रसिद्ध विचारक व विधिवेत्ता 23) हैदराबाद का एक दर्शनीय स्थल 24) तीक्ष्ण धारवाला 26) सौ 27) मदद करनेवाला 29) छोटा शहर 31) संदेह 33) तम्बू का मोटा परदा 36) पावन, पचना 37) दिवंगत अभिनेता अशोक कुमार इस नाम से भी जाने जाते थे 40) वाद्य 43) किसी वस्तु के सदृश्य बनाई गई प्रतिमा 44) सीधी लड़की या स्त्री 45) अभिनेत्री जयाप्रदा की पहली हिंदी फिल्म 47) मुसलमानों की प्रार्थना 49) बगीचा 51) श्रीरामजी का एक पुत्र 53) स्त्री जाति का प्राणी 54) नाते और गोत्र की रिश्तेदारी 56) सूचित करना 57) करार पत्र 59) मोतियों की माला 62) रामायण में वर्णित वह गीघ पक्षी 63) परिवर्तन 65) अनुगम 66) घाव पर लगाया जानेवाला लेप 68) ओठ 70) तृतीय 73) तय किया हुआ 74) जयपुर की एक दर्शनीय इमारत 75) असफलता 77) बारिश, वर्षा 80) अमिताभ बच्चन और रिमता पाटील की एक फिल्म 83) मस्तिष्क 84) पत्थरयुक्त 87) एक आंख से देखनेवाला 88) स्थावर, अचल, पर्वत 89) ऑर्डरली का हिन्दीकरण 91) समुद्र के भीतर लगी आग 93) भगवान विष्णु का एक अवतार 95) अरबों रुपयों का मालिक 97) शंख की ध्वनि 98) चमार की पत्नी 100) प्याला (अं.) 101) एक श्वास रोग 102) न्यायिक या विधिक जांच पड़ताल 105) हिन्दी के एक

प्रख्यात संत कवी जिनकी साखियां प्रसिद्ध है 107) बताई बात की अवहेलना करना 109) नृप 110) एक ही बात को बार बार दोहराना 111) कामदेव की पत्नी 112) नाना के पिता

Aj

1

ulp

1

चर्वण करना 2) चन्द्रमा 3) आसान (अंग्रेजी) 4) हिरण्यकश्यपु के पुत्र का नाम 5) अधिकार 6) खबर, वृत्तान्त, संवाद 7) चुराना 8) कृपादृष्टी 9) प्रसन्न (उर्दू) 10) उतावला 11) पेन्सिल से लिखे जानेवाले अंश को मिटाने का साधन 12) बता 13) क्रीडा, विनोद 15) दूषित रक्त, पीब 16) हवा का झोंका 17) दुर्योधन की माता 19) नाट्य 21) पाप 22) मूल्य 25) कलंकित 28) गीत गाना 30) पौधे लगाने का मिट्टी का पात्र 31) एक ग्रह 32) कही हुई बात से मुकर जाना 34) स्त्री 35) पानी 36) एक प्रसिद्ध पुराने फिल्मी गीतकार 38) तोफ चलाना 39) शाहजहाँ की बेगम 41) दामाद 42) इंद्र की नगरी 44अ) वाक्य, उक्ति, सार्थक शब्द (उर्दू) 45) सदैव, हमेशा 46) सौ वर्ष की उमरवाला 48) महोदय (उर्दू) 49) वेश्यागृह 50) मनुष्य 52) दुर्घटना, दंगा फसाद 53) बागवान 55) रुपहले सुतों का फीता 58) माता के पिता 60) वर 61) फिक्र 64) उदारता 66) सुगंध देना 67) आक्रमणकर्ता 69) लाक्षणिक अर्थ से बहुत खानेवाला 71) जिस समय 72) किस तरह 76) मनुष्य के जीवन या सम्पत्ती आदि का दायित्व निभाना, इन्श्योरन्स् 78) घिसना 79) सूर्य, गरमी 81) घर 82) उन्नति 85) जमीन पर विचरण करनेवाला 86) जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो 88) अनादर 89) आधा मरा हुआ 90) स्याही रखने का पात्र 91) कवच 92) वाद्य बजानेवाला 94) दिल 95) अपना बनाना 96) खल पुरुष, दुष्ट 97) संदेह 99) मैडम का हिन्दीकरण 100) बताना 103) प्रत्येक 104) कीडा 106) मध्य 107) हाथ 108) नृत्य

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

अ

मैं

जा

न

क

स

म

कि

ता

ब

खु

ष

द

मि

ला

ई

म

ह

जा

म

त

क

र

ना

र

म

म

का

म

त

मा

म

क

र

ना

क

द

र

दा

न

न्यु

का

ल

ति

म्म

ना

रा

ति

न

का

न

ज

र

ब

न्द

खा

त

म

क

र

ना

शी

री

स

वा

ल

नि

श

त

क

म

का

न

म

का

ब

का

सु

र

सं

क

ट

ले

ना

श

द

ल

ब

द

ल

मा

त

ता

ना

बा

ना

हा

शिं

रा

ना

ब

ना

क

र

रा

दा

दो

जी

ता

बे

दा

री

क्का

ब

री

पा

अं

दा

ज

ब

द

ना

म

प

जा

ब

रा

व

दे

श

मु

खा

दा

सी

रा

ह

दि

खा

ना

ज

न

न

नि

मु

दा

ना

य

क

न

ब

ता

दा

द

रे

ब

भा

ई

जी

मा

नि

न्द

सं

धि

र

स

म

ला

ई

ई

वा

स

क

ला

त

स

नं

द

न

नौ

सा

द

र

ल

बा

ल

ब

र

ह

ब

र

मैं

रो

म

फि

रा

ना

च

हा

र

दी

वा

री

मा

ह

जी

वा

जी

रा

व

ब

र

घु

ला

बे

घ

र

द

या

त

खु

र

बा

प

र

त

द

न

मो

जी

जी

रा

च

ति

प

खा

वा

ज

न

र

भ

रा

व

द

री

ता

मं

ग

ल

वा

र

+ CMYK

anumeva-08446302691



फेडरल रिजर्व के फैसले, कच्चा तेल, पश्चिम एशिया तनाव से तय होगी सर्राफा बाजार की चाल: विशेषज्ञ..

नई दिल्ली, (भाषा)।
सोने और चांदी की कीमतों में अगले सप्ताह उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है। बाजार विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर पर फैसला,

कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव, अमेरिकी डॉलर की चाल और अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम कीमती धातुओं की कीमतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक होंगे।

फेडरल ओपन मार्केट कमिटी (एफओएमसी) की 15-16 सितंबर को होने वाली बैठक वैश्विक सर्राफा बाजार के लिए अगले सप्ताह की सबसे महत्वपूर्ण घटना होगी। फेड के फैसले और उसके प्रमुख की टिप्पणी से सोने-चांदी की कीमतों की दिशा तय हो सकती है।

गणेश चतुर्थी के कारण सोमवार को जिस बाजार सुबह के सत्र में बंद रहेंगे। एलकेपी सिक्कारिटीज के उपाध्यक्ष एवं जितं तथा मुद्रा शोध विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने कहा कि सोना अमेरिकी फेड की टिप्पणियों, कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिकी डॉलर, मुद्रास्फ़ेति की उम्मीदों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति संवेदनशील बना रहेगा।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में कोई नमी या अमेरिकी फेडरल रिजर्व का कम आक्रामक रुख सोने में सुधार का समर्थन कर सकता है, जबकि कच्चे तेल में फिर से मजबूती या आक्रामक नीति संकेत से नई बिकवाली शुरू हो सकती है।

घरेलू बाजार में पिछले सप्ताह मिश्रित रुझान देखा गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अक्टूबर डिलीवरी के सोने का वायदा भाव 17 रुपये बढ़कर 1,52,784 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुए, जबकि चांदी 2,684 रुपये यानी 1.13 प्रतिशत गिरावट के साथ 2.34 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

हालांकि, वैश्विक बाजार दबाव में रहा, जहां कॉमेक्स पर दिसंबर आपूर्ति वाले सोने का वायदा भाव 1.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,408.9 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ और चांदी 2.34 प्रतिशत गिरकर 65.19 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

जेएम फ़इनेशियल सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जिंस एवं मुद्रा शोध) प्रणव मेर ने कहा कि पिछले सप्ताह सोने के वायदा भाव में तेजी और गिरावट के बीच उतार-चढ़ाव रहा, लेकिन कुल मिलाकर इसमें बिकवाली का दबाव बना रहा और सप्ताह के अंत में भाव 1.5 प्रतिशत नीचे रहा।

उन्होंने कहा कि घरेलू बाजार में हालांकि रुपये में तेज गिरावट के कारण सोने की कीमतों में गिरावट सीमित रही।

मेर के अनुसार, निवेशक फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद बैंक ऑफ़इंग्लैंड और बैंक ऑफ़ जापान के मौद्रिक नीति संबंधी फैसलों पर भी नजर रखेंगे। तीनों केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दर में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी किए जाने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि भारत, जर्मनी, ब्रिटेन, यूरो क्षेत्र, अमेरिका और जापान के मुद्रास्फ़ेति संबंधी आंकड़े भी महत्वपूर्ण होंगे। चीन के निवेश और कारखानों की गतिविधियों से जुड़े आंकड़े औद्योगिक धातुओं की कीमतों के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

इस बीच, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें सप्ताह के अंत में 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रही। इससे सर्राफा बाजार के लिए कच्चे तेल की कीमतें भी एक महत्वपूर्ण कारक बन गई हैं।

त्रिवेदी ने कहा कि सोने और चांदी का परिदृश्य फ़िन्हल अस्थिर और आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर है।

उनके अनुसार, फेडरल रिजर्व का फैसला कीमतों की अगली बड़ी दिशा तय करने वाला प्रमुख कारक हो सकता है।

आईटीसी का अगले पांच साल में आशीर्वाद ब्रांड पर उपभोक्ता खर्च दोगुना करने का लक्ष्य

बेंगलुरु, (भाषा)।
आईटीसी अपने प्रमुख खाद्य ब्रांड ‘आशीर्वाद’ को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। कंपनी को उम्मीद है कि अगले पांच साल में आशीर्वाद के उत्पादों पर होने वाला उपभोक्ता खर्च मौजूदा के करीब 10,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो जाएगा।

आईटीसी के खाद्य प्रभाग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और कार्यकारी निदेशक हेमंत मलिक ने बताया कि कंपनी आशीर्वाद के लिए दोहरी रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत एक ओर आटा कारीबार को और मजबूत किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर रेडी-टू-कुक, फ़्रेजन्ड फूड और अन्य संबंधित खाद्य श्रेणियों में विस्तार किया जाएगा।

मई, 2002 में पूरी तरह गेहूँ के आटा ब्रांड के रूप में शुरू हुआ आशीर्वाद आज देश के प्रमुख रसोई ब्रांड में शामिल है। कंपनी के पोटेफ़ैलियो में 200 से अधिक एसकेयू (स्टॉक कीपिंग यूनिट्स) हैं। आटा कारोबार से आगे बढ़ते हुए ब्रांड ने स्टेपल्स, मसाले, ताजा खाद्य पदार्थ और फ़्रेजन्ड उत्पादों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है।

मलिक ने कहा कि आटा श्रेणी में अब भी



विकास की काफी संभावनाएं हैं। उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को देखते हुए कंपनी मल्टीग्रेन, हाई-प्रोटीन, ऑर्गेनिक और मिलेट आधारित आटा जैसे उत्पादों पर जोर दे रही है। उनके अनुसार, प्रीमियम उत्पादों का मतलब केवल अधिक कीमत नहीं है, बल्कि बेहतर गुणवत्ता, सुविधा और स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी वास्तविक लाभ देना भी है। आशीर्वाद ब्रांड अब ऐसे उत्पादों के जरिये नए उपभोक्ता वर्ग और नए इस्तेमाल के अवसर तलाश रहा है, जिनमें बेसन, सेवई, रवा, सोया चंक्स, फ़्रेजन्ड नान और पराठे तथा ताजी चटनी और सांभर शामिल हैं।

कंपनी ने रेडी-टू-कुक श्रेणी में भी कदम बढ़ाया है। आशीर्वाद की तैयार चपातियां विशेष रूप से समय की कमी से जूझ रहे युवा परिवारों को ध्यान में रखकर पेश की गई हैं। एक पैक में 10 चपातियां होती हैं और इनमें किसी तरह के अतिरिक्त ‘फ़्रिजवैटिव’ नहीं डाले जाते। इनका इस्तेमाल पांच से छह के बीच किया जा सकता है। आशीर्वाद का एक और नया दांव सत्तू है।

आईटीसी ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आशीर्वाद चना सत्तू पेश किया है। कंपनी के मुताबिक सत्तू प्रोटीन और फ़ाइबर से भरपूर होने के साथ-साथ स्वाद और उपयोगिता के लिहाज से भी महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थ है।

फ़िन्हल कंपनी ने इसे पूर्वी भारत के बाजारों में उतारा है, लेकिन अब इसे देशभर में पहुंचाने की योजना है।

आशीर्वाद चना सत्तू पारंपरिक तरीके से बालू में भूनकर तैयार किया जाता है। बिहार में जौरा चना सत्तू और पश्चिम बंगाल व झारखंड में सादा चना सत्तू उपलब्ध है। कंपनी ने 10 रुपये का ‘वैल्यू पैक’ भी पेश किया है, जिसमें 10 ग्राम प्रोटीन मिलता है। आईटीसी के अनुसार, आशीर्वाद के उत्पादों का निर्माण देशभर में फैली 66 उत्पादन इकाइयों के नेटवर्क के जरिये किया जाता है। इससे कंपनी को विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद उपलब्ध कराने और उन्हें अधिक ताजगी के साथ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में मदद मिलती है।

वित्त वर्ष 2025-26 में आईटीसी के रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफ़एमसीजी) करीब 28 करोड़ परिवारों तक पहुंचा और इनसे लगभग 37,000 करोड़ रुपये का उपभोक्ता खर्च दर्ज हुआ। कंपनी का लक्ष्य अब आशीर्वाद को केवल आटा ब्रांड तक सीमित रखने के बजाय एक ऐसे व्यापक खाद्य ब्रांड के रूप में विकसित करना है, जो रोजमर्रा के भोजन से जुड़ी अलग-अलग जरूरतों को पूरा कर सके।

जिंदल स्टील की ‘स्टील स्लैग’ से बनी दुनिया की सबसे लंबी सड़क को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से मान्यता

नई दिल्ली, (भाषा)।
जिंदल स्टील लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में ‘स्टील स्लैग’ से बनी दुनिया की सबसे लंबी सड़क तैयार कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से मान्यता हासिल की है। कंपनी ने यह उपलब्धि सीएसआईआर-



(अपशिष्ट पदार्थ) है। वैज्ञानिक और तकनीकी प्रक्रिया से इसे प्रसंस्कृत कर सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जा सकता है।

जिंदल स्टील के चेयरमैन नवीन जिंदल ने कहा कि यह उपलब्धि दिखाती है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग मिलकर औद्योगिक उप-उत्पादों को राष्ट्र निर्माण के लिए उपयोगी संसाधनों में बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा ऐसी नई प्रौद्योगिकी पर आधारित होनी चाहिए, जो आर्थिक मूल्य पैदा करने के साथ पर्यावरण की भी रक्षा करे।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस परियोजना को वैज्ञानिक नवोन्मेषण

को वास्तविक बुनियादी ढांचे में बदलने का मजबूत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि स्टील स्लैग को सड़क निर्माण में उपयोगी संसाधन में बदलना देश की स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्षमता को दर्शाता है।

कंपनी के अनुसार, वैज्ञानिक रूप से तैयार स्टील स्लैग से बनी सड़कें पारंपरिक निर्माण सामग्री की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक अधिक किफ़ायती हो सकती हैं और इनकी उम्र सामान्य बिटुमिनस सड़कों की तुलना में तीन गुना तक अधिक हो सकती है। इससे सड़क की मरम्मत और रखरखाव की जरूरत भी कम हो सकती है।

भारत में इस्पात उत्पादन बढ़ने के साथ आने वाले वर्षों में स्टील स्लैग का उत्पादन भी बढ़कर करीब छह करोड़ टन सालाना होने का अनुमान है। ऐसे में सड़क निर्माण में स्टील स्लैग का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल औद्योगिक कचरे के बेहतर प्रबंधन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के महत्तम इस्तेमाल की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकता है।

आईबीबीआई का व्यक्तिगत गारंटर की दिवाला प्रक्रिया के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव..

नई दिल्ली, (भाषा)।
भारतीय दिवाला एवं ऋणाशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने कंपनियों के व्यक्तिगत गारंटर से जुड़ी दिवाला समाधान प्रक्रिया के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव किया है। इनमें गारंटर के संबंधित पक्षों को भुगतान योजना पर मतदान से बाहर रखना शामिल है।

इसके अलावा, आईबीबीआई ने समाधान प्रक्रिया के दौरान व्यक्तिगत गारंटर की संपत्तियों का मूल्यांकन अनिवार्य करने और पुनर्भुगतान योजना पर लेनदारों के विचार-विमर्श को बैठक के रिकॉर्ड में दर्ज करने की व्यवस्था करने का प्रस्ताव किया है।

प्रस्तावित संशोधनों में दिवाला समाधान प्रक्रिया के दौरान ऐसे लेनदेन की पहचान कर उनकी जानकारी देने का भी प्रावधान है, जिन्हें नियमों के तहत चुनौती देकर रद्द कराया जा सकता है। इनमें किसी खास लेनदार को प्राथमिकता देकर किया गया लेनदेन, संपत्ति का कम मूल्य पर किया गया सौदा, धोखाधड़ी वाला लेनदेन और अनुचित या अत्यधिक शर्तों पर लिया गया ऋण शामिल है।

ये प्रस्ताव एस्सेल समूह के चेयरमैन सुभाष चंद्रा से जुड़े दिवाला मामले की पृष्ठभूमि में आए हैं। इस मामले में एक समझौता योजना के तहत लेनदारों को चंद्रा की निजी संपत्ति से करीब 6.5 करोड़ रुपये ही मिलने का प्रस्ताव था, जबकि उनके खिलाफ करीब 22,006 करोड़ रुपये के दावे थे।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की पांच सदस्यीय विशेष पीठ ने एक सितंबर को चंद्रा को अपनी संपत्तियां बेचने या उनका हस्तांतरण करने से रोक दिया था और



मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस जारी किए थे। यह मामला अब राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के समक्ष भी है। असहमत लेनदारों ने पुनर्भुगतान योजना को चुनौती दी है।

आईबीबीआई ने 12 सितंबर को जारी एक चर्चा पत्र में व्यक्तिगत गारंटर से जुड़ी दिवाला प्रक्रिया के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव किया। इनमें गारंटर से जुड़े संबंधित पक्षों को पुनर्भुगतान योजना पर मतदान से बाहर करना शामिल है।

फ़िन्हल, व्यक्तिगत गारंटर से जुड़ा कोई सहयोगी पुनर्भुगतान योजना पर मतदान नहीं कर सकता है। आईबीबीआई ने अब सुझाव दिया है कि गारंटर से जुड़े संबंधित पक्ष का मतदान हिस्सा ‘शून्य’ माना जाए। साथ ही, समाधान पेशेवर द्वारा तैयार की जाने वाली लेनदारों की सूची में अलग से यह बताया जाए कि कोई लेनदार गारंटर का संबंधित पक्ष है या नहीं।

आईबीबीआई ने कहा कि उचित मूल्य, संपत्तियों से वास्तव में प्राप्त की जा सकने वाली राशि और मूल्यांकन रिपोर्ट को पुनर्भुगतान योजना के साथ लेनदारों के सामने विचार के लिए रखा जाना चाहिए। इससे लेनदार पुनर्भुगतान योजना का तथ्यों के आधार पर और व्यावसायिक रूप से उचित आकलन कर सकेंगे।

नियामक ने यह भी प्रस्ताव किया है कि समाधान पेशेवर को लेनदारों की बैठक के कार्यवृत्त में पुनर्भुगतान योजना पर लेनदारों के बीच

हुई चर्चा और उनके फैसले के कारण दर्ज करना होगा।

यदि पुनर्भुगतान योजना के तहत मिलने वाली राशि लेनदारों के स्वीकार किए गए दावों या गारंटर की संपत्तियों से मिलने वाली राशि अनुमानित राशि से काफी कम है, तो आईबीबीआई ने प्रस्ताव किया है कि लेनदारों को यह स्पष्ट रूप से दर्ज करना होगा कि उन्होंने दिवाला प्रक्रिया शुरू करने के बजाय पुनर्भुगतान योजना को मंजूरी

देना बेहतर विकल्प क्यों माना।

इसके अलावा, आईबीबीआई ने प्रस्ताव किया है कि समाधान पेशेवर यह जांचे कि व्यक्तिगत गारंटर ऐसे किसी लेनदेन में शामिल रहा है या नहीं, जिसे दिवाला प्रक्रिया के तहत रद्द किया जा सकता है। इसकी जानकारी पुनर्भुगतान योजना पर मतदान से पहले लेनदारों को दी जानी होगी।

आईबीबीआई ने प्रस्तावित नियमों में बदलाव पर हितधारकों से तीन अक्टूबर तक सुझाव मांगे हैं।

इस बीच, विवाद उस पुनर्भुगतान योजना को लेकर है, जिसके तहत चंद्रा को अपने समूह की कंपनियों के कर्ज की व्यक्तिगत गारंटी से जुड़े दावों का केवल 6.5 करोड़ रुपये में निपटान करने की अनुमति दी गई थी। यह उनकी कंपनियों पर बकाया 22,006 करोड़ रुपये के दावों में करीब 99.9 प्रतिशत की कटौती के बराबर है।

चंद्रा ने कहा कि व्यापक रूप से बताई जा रही 22,006 करोड़ रुपये की राशि वह कर्ज नहीं है, जो उन्होंने व्यक्तिगत रूप से लिया था।

उनके अनुसार, यह राशि एस्सेल समूह की कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज के लिए उनके द्वारा दी गई गारंटी से जुड़े दावों को दर्शाती है।

उन्होंने व्यक्तिगत गारंटी से जुड़े दावों की राशि करीब 3,990 करोड़ रुपये बताई है और कहा है कि 22,006 करोड़ रुपये की बड़ी राशि मूल रूप से कर्ज लेने वाली कंपनियों के खिलाफ दावों से संबंधित है।

जूट के बोरो की कीमत पर बंगाल के श्रम मंत्री ने केन्द्र से हस्तक्षेप की मांग की

कोलकाता, (भाषा)।
पश्चिम बंगाल के श्रम मंत्री अर्जुन सिंह ने जूट के बड़े बोरो की कीमत से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से हस्तक्षेप की मांग की है। श्रम मंत्री ने कहा कि इस मामले का जूट मिलों की श्रम और पूजा बोनस



संबंधी देनदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा असर पड़ता है। हाल के एक पत्र में सिंह ने केंद्र से आग्रह किया कि अगस्त 2026 के लिए ‘बी टविल जूट’ के बोरो की कीमत की समीक्षा कर उसे अगस्त 2024 में केंद्रीय मॉनिटरिंग द्वारा अनुमोदित शुल्क आयोग के सूत्र के अनुसार फिर से अधिसूचित किया जाए। उन्होंने कहा कि जूट आयुक्त कार्यालय द्वारा तय की गई कीमत मंजूर सूत्र के अनुरूप नहीं थी

और इसमें मिलों द्वारा कच्चा जूट खरीदने पर आने वाली लागत को पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किया गया था।

सिंह ने पहले ही की जा चुकी आपूर्ति के लिए कीमत के अंतर की राशि का भी समायोजन करने का अनुरोध किया।

पश्चिम बंगाल के श्रम मंत्री ने जुलाई में जारी किए गए उत्पादन नियंत्रण और आपूर्ति आदेश का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि ये आदेश महीने के आखिर में जारी किए गए, जिससे जूट

मिलों को तय अवधि में बोरो का उत्पादन और उनकी जांच पूरी करने में कठिनाई हुई।

उन्होंने कहा कि हालांकि बाद में आपूर्ति की समयसीमा बढ़ा दी गई, लेकिन जुलाई के आदेशों के तहत आने वाले बोरो पर अगस्त की कम दर लागू की गई। इससे जूट मिलों पर काफी वित्तीय असर पड़ा।

उन्होंने यह भी प्रस्ताव किया कि उत्पादन नियंत्रण और आपूर्ति आदेश जारी होने की तारीख से बोरो के

पंजाब के बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति पर्याप्त: कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, (भाषा)।
केंद्र सरकार ने पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (पीएसपीसीएल) की कैप्टिव खदानों से पंजाब के निजी बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं। कोयला मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि पंजाब के बिजली संयंत्रों के लिए पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध कराया गया है और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पंजाब सहित देशभर में बिजली उत्पादन के लिए निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने को पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मंत्रालय ने कहा, पीएसपीसीएल के अपने बिजली संयंत्रों का अधिक उपयोग, निजी बिजली संयंत्रों में खराबियों की निगरानी और सीआईएल की सहायक कंपनियों द्वारा पहले ही उपलब्ध कराए गए कोयले को समय पर उठाने से बिजली उत्पादन को बेहतर तरीके से संचालित करने और राज्य की



जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी।- यह बयान उन खबरों की पृष्ठभूमि में आया है, जिनमें कहा गया था कि पंजाब में बिजली संकट गहरा गया है और कारखानों तथा कृषि क्षेत्र को 14 घंटे तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। खबरों में पंजाब के ताप बिजली संयंत्रों में कम बिजली उत्पादन के लिए संयंत्रों में खराबी और कोयले की अपर्याप्त आपूर्ति को जिम्मेदार बताया गया था। कोयला मंत्रालय ने कहा कि यह स्थिति की पूरी तस्वीर नहीं है। मंत्रालय ने कहा, -केंद्र सरकार ने कैप्टिव खदानों से उत्पादन शुरू होने के

बाद से पंजाब के निजी बिजली संयंत्रों तक कोयला पहुंचाने की प्रक्रिया को सक्रिय रूप से सुगम बनाया है।-

मंत्रालय ने कहा कि पंजाब को पीएसपीसीएल की कैप्टिव खदानों से कोयला उठाने की गति बढ़ाने की जरूरत है। उसने बताया कि पीएसपीसीएल की पंचवाड़ सेंट्रल खदान में अप्रैल 2026 से 11 सितंबर

2026 तक का उत्पादन वार्षिक लक्ष्य का 83.67 प्रतिशत रहा, जबकि वहां से कोयले की आपूर्ति लक्ष्य की केवल 68.44 प्रतिशत रही। मंत्रालय ने कहा कि उत्पादन और आपूर्ति के बीच यह अंतर खदान में करीब 3.21 लाख टन कोयले के ऐसे भंडार का संकेत देता है, जिसे अभी बाहर नहीं भेजा गया है।

मंत्रालय ने कहा कि राज्य को इस कोयले को खदान से निकालकर अपने बिजली संयंत्रों तक पहुंचाना चाहिए, जिससे पीएसपीसीएल के अपने संयंत्रों में बिजली उत्पादन बढ़ाया जा सके।

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हेमंत नायक

मो. 88273 19933

10

सोमवार 14 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

live

मंडला नैनपुर

● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

सेवा संकल्प अभियान में किसान मोर्चा की महती भूमिका - प्रफुल्ल मिश्रा..

भाजपा किसान मोर्चा की बैठक में बृथ स्तर तक किसानों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर..

जगप्रेरणा मंडला।
भाजपा जिला कार्यालय में किसान मोर्चा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी बृथ स्तर तक पहुंचाने तथा पात्र किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने को लेकर चर्चा की गई। किसान मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों के साथ अधिक से अधिक किसानों से संपर्क करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।
बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल मिश्रा ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इन योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाना संगठन के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, कृषि अवसरचना निधि, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और मुदा स्वास्थ्य कार्ड सहित विभिन्न



योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत बृथ स्तर के कार्यकर्ताओं से बनती है। किसान मोर्चा के पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों से संपर्क कर उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दें। संगठन की ओर से दिए जाने वाले कार्यक्रमों को केवल औपचारिकता के रूप में पूरा करने के बजाय उनकी प्रभावी क्रियान्वित पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

संगठन ऐप पर गतिविधियों की जानकारी दर्ज करने पर जोर

बैठक में संगठन ऐप के संबंध में भी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। जिला अध्यक्ष ने बताया कि संगठन की गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी ऐप के माध्यम से दर्ज की

जा रही है। इससे मंडल एवं बृथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और संगठनात्मक गतिविधियों की स्थिति की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि मंडला जिले का संगठनात्मक गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। बृथ स्तर पर कार्यकर्ताओं के प्रयासों के चलते मंडला जिले को प्रदेश स्तर पर टॉप पांच में स्थान मिला है।
‘मन की बात’ में मंडला की 85 प्रतिशत से अधिक भागीदारी..

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम को लेकर भी कार्यकर्ताओं की सक्रियता का उल्लेख किया गया। जिला अध्यक्ष ने बताया कि ‘मन की बात’ कार्यक्रम में मंडला जिले की भागीदारी 85 प्रतिशत से अधिक रही है। उन्होंने इसे बृथ स्तर पर कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।
बैठक में किसान मोर्चा जिला महामंत्री मनहरण पटेल, जिला उपाध्यक्ष जिलेसिंग साहू, जिला मंत्री संतोष चन्दोल, पारुल पांडे, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र धर द्विवेदी, आनंद राठौर, सुदेश नामदेव, आनंद राजन, अमरजीत सिंह, जिला मीडिया प्रभारी पवन राय सहित जिले के सभी मंडलों के मंडल अध्यक्ष, महामंत्री एवं जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प के साथ चलेगा सेवा संकल्प अभियान..

17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक होंगे कार्यक्रम, मंडला में 1051 बृथों तक पहुंचेगा अभियान का संदेश..

जगप्रेरणा मंडला।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा द्वारा 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जाएगा। अभियान के तहत सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मंडला जिले के 1051 बृथों सहित विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी रविवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में जबलपुर सांसद आशीष दुबे ने दी।
सांसद दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया था। इसके बाद 26 मई 2014 से वे देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर सेवा कर रहे हैं। सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इस बार भाजपा का सेवा अभियान एक माह तक चलेगा। उन्होंने कहा कि अभियान केवल पार्टी कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।
25 वर्षों की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाने पर जोर..
आशीष दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 25 वर्षों में देश में अनेक महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। उन्होंने गरीब कल्याण, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय निर्माण, सामाजिक सुरक्षा, मुफ्त राशन और कोरोना काल में मुफ्त टीकाकरण सहित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं का सीधा असर आम नागरिकों के जीवन पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की वैश्विक



पहचान मजबूत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों को उन्होंने देश के 140 करोड़ नागरिकों का सम्मान बताया।

17 सितंबर को बृथ स्तर पर होगा ‘आशीर्वाद का दीया’..

सांसद ने बताया कि अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर होगी। शाम 7 बजे प्रदेशभर के 71 हजार 930 बृथों पर ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 2 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसमें भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आम नागरिकों की सहभागिता भी रहेगी। सरकारी और निजी स्कूलों में ‘विकसित भारत’ की कल्पना को लेकर चित्रकला, ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर तीन दिन चलेगा ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम..

अभियान के तहत प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों पर ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें बच्चों और उनकी माताओं की सहभागिता रहेगी। कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी दीक्षियों का सम्मान करने के साथ ही महिलाओं एवं बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और महिला कल्याण से जुड़ी केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। यह कार्यक्रम प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर तीन दिन तक आयोजित होगा।

7 अक्टूबर को निकलेगी ‘सेवा ज्योति यात्रा’..

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 7 अक्टूबर को ‘सेवा ज्योति यात्रा’ निकाली जाएगी। यात्रा के माध्यम से गांवों और क्षेत्रों को जोड़ा जाएगा तथा विकसित भारत-2047 का संकल्प लिया जाएगा।
यात्रा में पदयात्रा, साइकिल रैली और बाइक रैली के माध्यम से कार्यकर्ता एवं आमजन अलग-अलग स्थानों से निकलकर निर्धारित स्थान पर पहुंचेंगे। यहां प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवा एवं विकास कार्यों की जानकारी दी जाएगी।
मंडला में बृथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा अभियान..

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर मंडला जिले में बृथ से लेकर जिला स्तर तक कार्यकर्ताओं की बैठकें आयोजित की गई हैं। अभियान के सभी कार्यक्रमों के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियों सौंपी गई हैं। उन्होंने कहा कि अभियान में युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को भी जोड़ा जाएगा। ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ के मंत्र के साथ इसे जनभागीदारी का अभियान बनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के 13 प्रमुख कार्यक्रमों के लिए जिला प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। इनमें मंत्री संपत्तिया उर्दके, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा, जिला महामंत्री नरेश चंदोल, नैनपुर नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णा पंजवानी, सोशल मीडिया प्रभारी शोभित रावत सहित शैलेष मिश्रा, महेंद्र राठौर, मंजू कछवाह, राजेश जैन, उत्कर्ष यादव, विकास यादव, सुनीत चौरसिया, शशिकांत श्रीवास्तव, जोरावर सिंह, डॉ. संजय कुशराम, भावना साहू और मंगलेश चक्रवर्ती शामिल हैं।

प्रतिभाओं के सम्मान से समाज को नई दिशा देने का संदेश..

शांति कुंज बहुआयामी विकास सेवा समिति का चतुर्थ प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, विद्यार्थी, शिक्षक, पत्रकार व समाजसेवी हुए सम्मानित..

जगप्रेरणा मंडला/महाराजपुर।
13 सितंबर। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और समाज में शिक्षा, संस्कार एवं सेवा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से शांति कुंज बहुआयामी विकास सेवा समिति एवं शांति कुंज ग्रुप ऑफ एजुकेशन की ओर से चतुर्थ प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन पं. नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महाराजपुर में किया गया। समारोह में शिक्षा, पत्रकारिता, समाजसेवा, ज्योतिष एवं वास्तु सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। विद्यालय की छात्राओं एवं श्रेता तिवारी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक विनोद दुबे ने की। मुख्य अतिथि नगरपालिका मंडला अध्यक्ष विनोद कछवाह, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष गजेंद्र गुप्ता एवं विश्व गीता प्रतिष्ठानम के अध्यक्ष चितरंजन तिवारी रहे।
शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में संस्था कर रही काम..

संस्था के सेंटर मैनेजर आयुष राज सिंह ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया



कि शांति कुंज बहुआयामी विकास सेवा समिति वर्ष 2004 से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में कार्य कर रही है। संस्था द्वारा विद्यार्थियों एवं युवाओं को कौशल विकास, कंप्यूटर एवं आईटी तथा रोजगारीनुद्धि प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के सहयोग से काउंसलिंग एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी जरूरी..

मुख्य अतिथि विनोद कछवाह ने विद्यार्थियों को आधुनिक भारत की प्रगति के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की बात कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच सफलता के लिए जरूरी है। गजेंद्र गुप्ता ने बाल अधिकारों एवं बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी। चितरंजन तिवारी ने शिक्षा

के साथ संस्कार, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया।

चार श्रेणियों में किया प्रतिभाओं का सम्मान..

समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, संस्था की टी-शर्ट एवं विश्व गीता प्रतिष्ठानम की पुस्तिका देकर सम्मानित किया गया। पिछले वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली अंजलि चक्रवर्ती को भी सम्मान मिला।

उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान के तहत अनिल अवधिया, मंजू धुर्वे, संगीता विश्वकर्मा, सारिका श्रीवास्तव एवं आयुष राज सिंह को सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान शशांक चौबे, सिकंदर अली, आशीष वैष्णव एवं हेमंत नायक को प्रदान किया गया। विशेष सम्मान के तहत ज्योतिष एवं वास्तु के क्षेत्र में आचार्य दुर्गेश अग्निहोत्री तथा स्व. राजेश वर्मा स्मृति सामाजिक सेवा सम्मान से राजेंद्र पटेल एवं निवेश दुबे को सम्मानित किया गया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान केवल पुरस्कार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने और समाज के लिए बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के अंत में संस्था सचिव ने अतिथियों, सम्मानित प्रतिभाओं, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मिड डे मील का भुगतान महीनों से अटका, समूह और रसोइयों में आक्रोश

सत्र शुरू हुए महीनों बीते, अब तक नहीं मिली लागत की किस्त; उधारी पर चल रही रसोई, रसोइयों का मानदेय भी लंबित..

जगप्रेरणा मंडला।
शिक्षा सत्र 2026-27 शुरू हुए महीनों बीत चुके हैं, लेकिन आदिवासी बाहुल्य जिले मंडला में पीएम पोषण शक्ति योजना के तहत स्कूलों में मध्यान्ह भोजन संचालित करने वाले स्व-सहायता समूहों और रसोइयों के भुगतान का मामला अब भी लंबित है।
भुगतान के लिए समूहों और रसोइया संगठनों की ओर से जिला पंचायत, कलेक्टर और मुख्यमंत्री तक कई बार जापन दिए जा चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका है। भुगतान अटकने से समूह संचालकों के सामने मीनू के अनुसार बच्चों को भोजन उपलब्ध करने की चुनौती खड़ी हो गई है। वहीं करीब 4 हजार रुपए के मानदेय पर काम करने वाली रसोइयों का मानदेय भी समय पर नहीं मिलने से उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।
उधारी में खरीदी जा रही सामग्री, अब दुकानदारों ने भी हाथ खड़े किए

समूह संचालकों का कहना है कि सत्र शुरू होने के बाद से अब तक भोजन संचालन की लागत की एक भी किस्त नहीं मिली है। ऐसे में सब्जी, तेल, मसाले और ईंधन जैसी आवश्यक सामग्री उधारी पर खरीदकर रसोई चलानी पड़ रही है। लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण अब कई दुकानदारों ने भी उधार देने से इनकार कर दिया है। मोहले के लोग मिलकर पाइप बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि किसी तरह हैंडपंप को चालू किया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि जब पंचायत और विभाग स्थान नहीं दे रहे तो अब वे स्वयं समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से पानी की समस्या झेलने के बावजूद जिम्मेदारों द्वारा गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

मौके पर गए बिना कैसे पता चला कि हैंडपंप धंस गया?
इस मामले में ग्राम पंचायत जुनवानी के सचिव से जानकारी लेने पर उन्होंने हैंडपंप के नीचे धंस जाने की बात कही।



दिया है। ऐसी स्थिति में समूह संचालकों को कर्ज लेकर भोजन व्यवस्था जारी रखने की मजबूरी बन गई है। संचालकों का आरोप है कि सरकार की योजना के संचालन में समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका होने के बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। इससे समूहों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है।
रसोइयों का मानदेय भी लंबित..

इधर, स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाली रसोइयों को भी करीब ढाई माह से मानदेय नहीं मिलने की बात सामने आई है। महज 4 हजार रुपए के मानदेय पर काम करने वाली रसोइयों के लिए यह राशि भी घरेलू खर्च का महत्वपूर्ण सहारा है। संगठन का दावा है कि जून का मानदेय भी कई वर्षों से लंबित है। भुगतान में लगातार देरी से रसोइयों के परिवारों के सामने आर्थिक परेशानी खड़ी हो गई है।

आवेदन-निवेदन के बाद अब आंदोलन की चेतावनी..

समूह संचालकों और रसोइया संगठन का कहना है कि भुगतान की मांग को लेकर कई बार

प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को आवेदन दिए गए, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही लंबित भुगतान नहीं किया गया तो भोजन व्यवस्था बंद कर अतिशक्तकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाया जा सकता है।

प्रशासन से ये सवाल..

बजट आवंटन और भुगतान की प्रक्रिया कब तक पूरी होगी? ढाई माह से भुगतान लंबित रहने की वजह क्या है? क्या गरीब महिलाओं से उधारी लेकर योजना संचालित कराने की स्थिति उचित है? बिना समय पर भुगतान के मीनू और भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने की जिम्मेदारी किसकी होगी? लंबित भुगतान की अंतिम तिथि प्रशासन कब घोषित करेगा?

पी.डी. खैरवार, संयोजक, रसोइया उथान संघ समिति, मंडला ने कहा, ‘समय पर भुगतान नहीं होने से मीनू आधारित भोजन देना चुनौतीपूर्ण हो गया है। समूहों और रसोइयों की आर्थिक स्थिति खराब बनी हुई है। आवेदन और निवेदन का भी कोई असर नहीं हुआ, अब आंदोलन ही अंतिम विकल्प बचा है।’

45 दिन से खराब हैंडपंप, 80 आदिवासी परिवार बूंद-बूंद पानी को मोहताज..

जुनवानी पंचायत के धनगांव सरपंच टोला की स्थिति, स्कूल-आंगनवाड़ी के बच्चे भी परेशान, ग्रामीणों ने खुद ही मरम्मत का बीड़ा उठाया..

जगप्रेरणा घुघरी/मंडला।
शासन-प्रशासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा और आदिवासी परिवारों के उत्थान के लिए कई योजनाएं संचालित करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन घुघरी मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत जुनवानी के



पोषक ग्राम धनगांव के सरपंच टोला में इन दावों की जमीनी हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। यहां करीब 80 बैगा-गोंड

परिवार पिछले 45 दिनों से पेयजल के लिए परेशान हैं। मोहले का एकमात्र हैंडपंप खराब होने के कारण ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। प्राथमिक शाला और आंगनवाड़ी में आने वाले बच्चों के सामने भी पेयजल की समस्या बनी हुई है।
डेढ़ माह से बंद पड़ा है इकलौता हैंडपंप..

ग्रामीणों के अनुसार मोहले में पेयजल का मुख्य साधन एकमात्र हैंडपंप है। करीब डेढ़ माह पहले हैंडपंप खराब हो गया। बताया जा रहा है कि पाइप में मोटर फंस जाने के कारण हैंडपंप जाम

हो गया है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव को करीब एक माह पहले ही दे दी थी, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों का आरोप है कि पीएचई विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे थे, लेकिन बिना विस्तृत जांच किए हैंडपंप के नीचे धंस जाने की बात कहकर लौट गए। इसके बाद भी हैंडपंप सुधारने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

अब ग्रामीण खुद निकाल रहे पाइप..

लगातार इंतजार और जिम्मेदारों की अनदेखी से परेशान ग्रामीणों ने अब खुद ही हैंडपंप की मरम्मत का प्रयास शुरू कर

दिया है। मोहले के लोग मिलकर पाइप बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि किसी तरह हैंडपंप को चालू किया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि जब पंचायत और विभाग स्थान नहीं दे रहे तो अब वे स्वयं समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से पानी की समस्या झेलने के बावजूद जिम्मेदारों द्वारा गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

मौके पर गए बिना कैसे पता चला कि हैंडपंप धंस गया?

इस मामले में ग्राम पंचायत जुनवानी के सचिव से जानकारी लेने पर उन्होंने हैंडपंप के नीचे धंस जाने की बात कही।

वहीं, बातचीत में उन्होंने यह भी बताया कि वे स्वयं मौके पर नहीं गए हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बिना मौके पर पहुंचे हैंडपंप के धंसने की स्थिति की जानकारी कैसे सामने आई। सचिव के अनुसार मौसम साफ होने के बाद वाहन बुलाकर हैंडपंप को सुधारने का प्रयास किया जाएगा।

योजनाओं के दावों के बीच मूलभूत सुविधा का संकट

एक ओर शासन द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में पेयजल सहित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से हर घर तक पानी पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं। दूसरी ओर धनगांव के सरपंच टोला में करीब

80 परिवारों का एकमात्र हैंडपंप 45 दिनों से बंद पड़ा है। इससे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और स्थानीय स्तर पर निगरानी व्यवस्था पर सबाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने दी कलेक्टर कार्यालय पहुंचने की चेतावनी

ग्रामीणों ने कहा है कि यदि जल्द ही हैंडपंप की मरम्मत कारगर पेयजल व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो मोहले के लोग अपनी समस्या लेकर कलेक्टर कार्यालय मंडला पहुंचेंगे।

अब देखना होगा कि ग्रामीणों की इस समस्या पर प्रशासन कब तक संज्ञान लेता है और उन्हें पेयजल की सुविधा कब तक उपलब्ध हो पाती है।

अंकुर टेस्ट ट्यूब बेबी एंड रिसर्च सेंटर

बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण

उपलब्ध सुविधाएं

- टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF ET)
- इक्की टेस्ट ट्यूब बेबी (ICSI)
- (IUI) आय.यु.आय.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओवजन डोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन ट्यूब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोस की जांच
- हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
- बंद फॉलोपियन ट्यूब खोलना
- डुरबीन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ

डॉ. सो. प्रणिता चिटणवीस
प्रसूति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ

एक्सीडेंट हॉस्पिटल व अंकुर क्लिनिक

गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा

12 सोमवार 14 सितम्बर 2026

live गोंदिया भंडारा

● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालोकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव

1 महावीर कॉम्प्लेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टैंड के पास

2. अल्ट्र विनारक अपार्टमेंट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..

संपर्क -नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

आज से गणेशोत्सव की धूम, गोंदिया में घर घर और पंडालों में विराजेंगे बाप्पा..

ज्योतिषसम्राट अरविंद तिवारी ने दी मुहूर्त की जानकारी..

जगप्रेरणा गोंदिया।
त्योंहारों और धार्मिक मान्यताओं के देश भारत में और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेश उत्सव की धूम होती है। गणेश उत्सव के संदर्भ में मान्यता है कि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को भगवान गणेश का अवतार हुआ था। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता, बुद्धि, विवेक और समृद्धि के देवता माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार

किसी भी शुभ कार्य से पहले भगवान गणेश की पूजा करने से कार्य में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सफलता प्राप्त होती है। ऐसी ही मान्यताओं के चलते सैकड़ों वर्षों से भारत में गणेश उत्सव के अवसर पर भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर 10 दिनों तक निरंतर पूजा अर्चना की जाती है विशेषकर महाराष्ट्र प्रदेश में तो गणेश उत्सव की सर्वाधिक धूम होती है। एक ओर जहां शासन की ओर से भी विभिन्न गणेश मंडलों के लिये तहसील, जिला एवं राज्य स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाता है, तो वहीं विभिन्न प्रभागों में भी समितियों के माध्यम से गणेश उत्सव पर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ ही सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम



विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ ही महाप्रसाद के आयोजन भी निरंतर होंगे। चप्पे चप्पे पर सुरक्षा के प्रबंध..

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में प्रतिदिन भारी भीड़ गणेश भगवान की प्रतिमाओं के दर्शनार्थ निकलती है, इसी के चलते गोंदिया जिले के पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के मार्गदर्शन में शहर में चप्पे चप्पे पर आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग के माध्यम से सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जायेगी, तो वहीं यातायात पुलिस कर्मी एवं पुलिस बल विभिन्न चौक चौराहों और गणेश मंडलों के समीप तैनात रहेंगे, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था ना हो।

गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का मुहूर्त..

गौरतलब है कि विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना के लिये भी मान्यताओं के अनुरूप मुहूर्त एवं चौपाड़िया देखकर प्रतिमाएं स्थापित करने की परंपराएं हैं। भगवान श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना के मुहूर्त के संदर्भ में ज्योतिषाचार्य अरविंद तिवारी ने जगप्रेरणा को बताया कि 14 सितंबर 2026 को भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी दिन सोमवार को दोपहर 1.30 बजे से सायंकाल 6 बजे का महर्तु शुभ है।



गोंदिया शहर के रेलटोली में श्री गुरुद्वारा साहिब के सामने नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे के शुभहस्ते हुआ श्री गुरु गोबिंद सिंह गेट निर्माण का भूमिपूजन..

गट नेता राकेश ठाकुर भी रहे प्रमुख रूप से उपस्थित..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया शहर के रेलटोली क्षेत्र में स्थानीय नागरिकों और सिक्ख समाज की मांग पर गोंदिया नगर परिषद द्वारा गुरुद्वारा साहिब रेलटोली के सामने श्री गुरु गोविंद सिंह गेट के निर्माण को स्वीकृति

प्रदान की गई है, जिसके उपरांत आज 13 सितम्बर को सुबह 10.00 बजे स्थानीय गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेककर तथा पूजा अर्चना व अरदास कर अनेक पदाधिकारियों व सदस्यों की उपस्थिति में नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे ने उक्त श्री गुरु गोविंद सिंह गेट निर्माण का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर नगर परिषद के गट नेता राकेश ठाकुर, पार्षद चंद्रकुमार चुटे, पार्षद त्रिलोचन सिंह, प्रीतसिंह, जसजीत सिंह, हरजीत सिंह, सतबीर सिंह, जसपाल सिंह, हरदयाल सिंह, गुरदयाल सिंह, अजीत गांधी, हरीश अरोरा, देवेन्द्रपाल सिंह, सतनाम सिंह, जसबीर सिंह,निर्मल सिंह, सुरेंद्र सिंह, जगतराम, ज्ञानी हरमिंदर सिंह जी एवं अनेक लोगों की उपस्थिति में ज्ञानी जी ने अरदास की, जिसके उपरांत नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे ने कुदाल चला कर निर्माण



कार्य का शुभारंभ किया। अंत में हरजीत सिंह जुनेजा ने वाहेगुरु जी का शुक्राना किया व सभी लोगों की उपस्थिति का आभार माना व कार्यक्रम सम्पन्न की घोषणा की।

नगर परिषद गोंदिया

ULB Code :- 802716

नगर परिषद गोंदिया

पर्यावरण पुरक सार्वजनिक व घरगुती गणेशोत्सव स्पर्धा २०२६

स्वच्छ सर्वेक्षण २०२६ व माझी वसुंधरा ७.० अभियान अंतर्गत गोंदिया शहरातील सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडळासाठी पर्यावरण पुरक सार्वजनिक गणेशोत्सव स्पर्धा सन २०२६ आयोजित करण्यात येत आहे.

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026

सर्वजनिक गणेशोत्सव स्पर्धा

घरोघरी गणेशोत्सव स्पर्धा

प्रस्तावित उपक्रमाची रूपरेषा व गुणांकन

अ.क्र.	तपशील	गुण	अ.क्र.	तपशील	गुण
१	पर्यावरण पुरक गणेश मूर्तीची प्रतिस्थापना	२५ गुण	१	पर्यावरण पुरक गणेश मूर्तीची प्रतिस्थापना	१५ गुण
२	मिरवणुकीसाठी पारंपारिक वाद्याचा वापर करणे	१५ गुण	२	मिरवणुकीसाठी पारंपारिक वाद्याचा वापर करणे	१५ गुण
३	वृक्षारोपन व संवर्धन करणे (५ वृक्ष लागवड) वृक्षारोपन करतानाचे GPS photo वितरणा करणार्याची कार्यलयात सादर करणे	२५ गुण	३	वृक्षारोपन व संवर्धन करणे (१० वृक्ष लागवड) वृक्षारोपन करतानाचे GPS photo वितरणा करणार्याची कार्यलयात सादर करणे	२० गुण
४	E-pledge घेणे (कमीतकमी 30) https://majhiwasundhara.in/en/majhi-wasundhara-pledge वेबसाईटवर टाकून 30 E-pledge घेऊन त्याचे प्रमाणपत्र सोबत जोडणे	२० गुण	४	E-pledge घेणे (कमीतकमी 300) https://majhiwasundhara.in/en/majhi-wasundhara-pledge वेबसाईटवर टाकून 300 E-pledge घेऊन त्याचे प्रमाणपत्र सोबत जोडणे	१५ गुण
५	पर्यावरण पुरक उपक्रम (सजावट, रंगोळी किंवा तत्सम पर्यावरण संदेश देणारे उपक्रम)	१५ गुण	५	जणजागृती उपक्रम घेणे (स्वच्छता, कचराविलगीकरण)	१० गुण
			६	गणेश उत्सव मंडळाने 200 Seed Ball बिज गोळे तयार करणे व जमनीला पेरण्या ऐवजी मोकल्या जागे मध्ये फेकणे, किंवा भारतीय जातीच्या किमान 10 वृक्षांचे बिज संकलन करणे	१० गुण
			७	विविध पर्यावरण पुरक संदेश देणाऱ्या स्पर्धा घेणे (चित्रकला, रंगोळी ई)	१५ गुण

गुगल फॉर्म द्वारे भरणा करण्याकरीता अर्जाची लिंक
<https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdgVhJly-ZWzRMOc1WkT-2arLhFH-6qfPn2bSWEjsE9Jx9Uw/viewform?usp=publish-editor>